आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा/कार्तिक कृष्ण पक्ष संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 99 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 अक्टूबर 2025 रविवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

## न्यूज विंडो

### लाड़ली बहनों के खाते में आएगी 29वीं किश्त

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज श्योपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की लगभग एक करोड़ 26 लाख 86 हजार लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 29वीं किस्त के 1541 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर कर रहे हैं। इसके अलावा जिले के 98.87 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण होगा तथा 460 करोड़ के निर्माण और विकास कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा।

### कैलिफोर्निया के तट पर क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के कैलिफोर्निया में हंटिंग्टन स्ट्रीट और पैसिफिक कोस्ट हाइवे के नजदीक एक भीषण हेलीकॉप्टर हादसा हुआ है। इस हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं। हादसे के वक्त दो लोग हेलीकॉप्टर में सवार थे। वहीं तीन अन्य लोग हादसाग्रस्त हेलीकॉप्टर की चपेट में आकर घायल हो गए। हेलीकॉप्टर हादसे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें हेलीकॉप्टर के पंख वहां मौजूद ताड़ के पेड़ों की पत्तियों से टकराते हुए दिख रहा है।

### पायलटों की शिकायत के बाद बोइंग से मांगी जानकारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की विमानन नियामक संस्था, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों की शिकायत के बाद बोइंग क्रैश की पूरी रिपोर्ट मांगी है। अधिकारी ने कहा, एआई-117, जो बोइंग 787-8 (वीटी-एएनओ) था, अमृतसर से बर्मिंघम की उड़ान पर था। 5 अक्टूबर को लैंडिंग के समय 400 फीट की ऊंचाई पर आरएटी बिना कमांड के खुल गया था। जिसकी जांच रिपोर्ट पर बोइंग चुप है। वहीं डीजीसीए ने एअर इंडिया को भी सलाह दी है कि सभी प्रभावित विमानों में आरएटी स्टोरेज और हाल ही में बदले गए पावर नियंत्रण मॉड्यूल (पीसीएम) की जांच की जाए। इधर, फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने हाल ही में एअर इंडिया के विमानों में इलेक्ट्रिकल सिस्टम और मेंटेनेंस से जुड़ी समस्याओं को लेकर चिंता जताई है।

### अमेरिका के टैरिफ से भड़का चीन, बोला-हम डरते नहीं

**बीजिंग, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने पर चीन भड़क गया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि यह अमेरिका का दोहरा रवैया दिखाता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, 'हाई टैरिफ की धमकी देना चीन से संबंध सुधारने का सही तरीका नहीं है। हमारी स्थिति साफ है-हम व्यापार युद्ध नहीं चाहते, लेकिन उससे डरते भी नहीं हैं।'
अमेरिका ने चीन के सामान पर पूर्व में भी 30 प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ है। ऐसे में चीन से आने वाले सामान पर कुल टैरिफ बढ़कर 130 प्रतिशत हो गया है। ट्रंप का यह फैसला, चीन के 1 नवंबर से रेयर अर्थ मिनरल्स पर बड़े पैमाने पर निर्यात प्रतिबंध लगाने के बाद आया है। रेयर अर्थ मिनरल्स, तकनीक और मैन्युफैक्चरिंग के लिए बेहद अहम हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर 'अत्यधिक आक्रामक और शत्रुतापूर्ण व्यापार नीति' अपनाने का आरोप लगाया है।

## आज का कार्टून

## अफगानिस्तान के पांच प्रांतों से देर रात शुरू हुए हमले, बॉर्डर पर दोनों ओर से गोलाबारी जारी

# पाक पर तालिबानी अटैक, युद्ध के हालात

**काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी**

पिछले दिनों काबुल पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक का बदला लेते हुए अफगानिस्तान सैनिकों ने शनिवार देर रात डूरंड लाइन के पास कई पाकिस्तानी बॉर्डर पोस्ट पर गोलाबारी की। इसके बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी हमला किया। दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। लड़ाई सिर्फ गोलियों तक सीमित नहीं है बल्कि तोप के गोले भी दागे जा रहे हैं। अफगानिस्तान का कहना है कि 5 पाकिस्तानी सैनिकों ने सरेंडर किया और 18 मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के कई इलाकों में अफगान सैनिकों की ओर से फायरिंग की गई है। तालिबान का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान का एक टैंक अपने कब्जे में ले लिया है। अफगान मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक, इस हमले में 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। तालिबान लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना की 2 सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया। वहीं, डूरंड लाइन के पार कुनार और हेलमंद प्रांतों में भी पाकिस्तानी चौकियां तबाह कर दीं।

पाकिस्तानी सरकारी मीडिया के अनुसार, पाक सेना ने अफगानिस्तान की 19 सीमा चौकियों पर कब्जा कर लिया। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान को भी भारत की तरह मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, ताकि वह पाकिस्तान की ओर बुरी नजर से देखने की हिम्मत न कर सके। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा है कि हालिया हमलों के बाद पाकिस्तान चुप नहीं बैठेगा, ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा।

### दावा- अफगानिस्तान ने 6 अलग-अलग जगह से हमले किए

रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, अफगान हमले सीमा के करीब छह इलाकों में हुए। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि पाकिस्तानी सेना ने भी जवाब में भारी गोलीबारी की। लड़ाई के दौरान पाकिस्तानी सेना ने 3 अफगान ड्रोन मार गिराए, आशंका जताई गई है कि ये ड्रोन बम ले जा रहे थे। सऊदी अरब ने इस लड़ाई पर चिंता जताई है। सऊदी सरकार ने दोनों देशों से शांति और बातचीत के जरिए मामला सुलझाने की अपील की है और तनाव बढ़ाने से बचने को कहा है।

### हथियार छोड़कर भागे पाकिस्तानी सैनिक

अफगान बलों ने एक साथ सीमा के पांच प्रांतों से हमले किए, जिससे पाकिस्तानी रक्षा पंक्ति उखड़ गई। पाकिस्तानी सेना की 7 चौकियां तबाह हो गई हैं और कई पर अफगानिस्तान के सैनिकों का कब्जा है। हमला इतना अप्रत्याशित था कि पाकिस्तानी सैनिक अपने हथियार छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। हुर्रियत रेडियो ने बताया है कि अफगान बलों के हमले के बाद पाकिस्तानी सैनिक अपने हथियार छोड़कर भाग गए हैं। हुर्रियत रेडियो ने एक वीडियो प्रसारित किया है, जिसमें अफगान बल खोस्त प्रांत के सीमावर्ती क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों के छोड़े गए हथियार का निरीक्षण करते दिखाई दे रहे हैं। इस बीच मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि अफगानिस्तान के हमले में मरने वाले पाकिस्तानी सैनिकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

### पाकिस्तानी सेना ने शुरू की मोर्टार शेलिंग

अफगान मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान की सेना ने हेलमंद, कंधार, जाबुल, पक्तिका, खोस्त, नंगरहार और कुनार प्रांतों से पाकिस्तानी चौकियों पर हमला किया। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह ऑपरेशन रात 12 बजे खत्म कर दिया गया। हालांकि, ताजा रिपोर्ट बता रही हैं कि अभी भी लड़ाई जारी है। पाकिस्तानी सेना लगातार अफगानिस्तान में मोर्टार शेलिंग कर रही है। पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि वे अफगानिस्तान की ओर से की गई अकारण गोलीबारी का पूरी ताकत से जवाब दे रहे हैं।

### मुत्ताकी ने कहा था- खेल बंद करें पाकिस्तान

दरअसल 9 अक्टूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के ठिकानों पर हवाई हमले हुए थे। तालिबान का कहना था कि ये हमले पाकिस्तान ने किए थे। हालांकि पाकिस्तान ने साफ तौर पर ये नहीं कहा कि ये हमले उसने किए, लेकिन उसने तालिबान को चेतावनी दी कि वह अपनी जमीन पर TTP को न पनाह न दे। इसके बाद अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने कहा था- पाकिस्तान हमारे साथ खेल खेलना बंद कर दे। हमें मत उकसाओ। एक बार ब्रिटेन और अमेरिका से पूछ लो, वे तुम्हें समझा देंगे कि अफगानिस्तान के साथ ऐसे खेल खेलना ठीक नहीं है।

### संयम बरतने की अपील

कतर के विदेश मंत्रालय ने दोनों पक्षों से बातचीत और संयम को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है, जिससे तनाव कम करने और तनाव बढ़ने से बचने में मदद मिले। ताकि क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता हासिल की जा सके। विदेश मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से सभी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के लिए समर्थन देने की बात कही। साथ ही दोनों देशों के लोगों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। ईरान और सऊदी अरब ने भी दोनों देशों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए तनाव कम करने की अपील की है। सऊदी अरब ने क्षेत्रीय शांति के लिए दोनों देशों को समर्थन देने की बात कही।

### तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान है पाक का विद्रोही संगठन

2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए। पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया जिससे TTP नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। 2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) बनाया। इसमें बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सेना के विरोधी गुट के लोग शामिल थे।

## वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर समरसता सम्मेलन

**भोपाल।** महर्षि वाल्मीकि जयंती प्रकटोत्सव पर अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा आयोजित समरसता सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाल्मीकि समाज के युवाओं का आह्वान किया कि वे समाज के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ें। उन्हें इंजीनियर ,डॉक्टर अधिवक्ता जैसे पेशे तो अपनाने चाहिए लेकिन उद्योग के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। सम्मेलन में राज्यसभा सांसद एवं श्री क्षेत्र वाल्मीकि धाम उज्जैन के पीठाधीश्वर बालयोगी उमेशनाथ महाराज विशेष रूप से उपस्थित थे।

## मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप के तीन आरोपी गिरफ्तार, दो अब भी फरार

**कोलकाता, एजेंसी**

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है । दो आरोपी अभी भी फरार हैं। घटना 10 अक्टूबर की रात 8-9 बजे के बीच कोलकाता से 170 किमी दूर दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के ठीक सामने हुई थी। हुई थी। पीड़ित अपने दोस्त के साथ डिनर के लिए निकली थी। इसी दौरान 3 युवकों ने उसका गैंगरेप किया था। पीड़ित ओडिशा की रहने वाली है, उसका निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित दोस्त के साथ डिनर के लिए निकली थी। कैंपस गेट पर 3 युवक खड़े थे। उन्होंने पीड़ित का मोबाइल छीना, फिर बाल पकड़कर कैंपस गेट के सामने जंगल में घसीटकर ले गए। इस दौरान पीड़ित का दोस्त भाग गया और पुलिस को खबर दी। डिप्टी मजिस्ट्रेट और एसडीओ दुर्गापुर रंजना रॉय ने पीड़ित से मुलाकात की। उन्होंने कहा- छात्रा की हालत स्थिर है। उसकी मां उसके साथ हैं। पीड़ित के माता-पिता ने इस घटना में लड़की के दोस्त और उसके साथियों के शामिल होने का आरोप लगाया है। पीड़ित के दोस्त को हिरासत में लिया गया है।

# गुरू गुड़ रह गए... चेली शक्कर खा गई...

यह कहावत आम है कि गुरू गुड़ रह गए और चेला शक्कर खा गया। ट्रंप और मारिया के बीच यही बात लागू होती है।

**प्रसंगवश**
**राजेश सिरोठिया**

मारिया कोरीना मचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार मिलने पर ट्रंप तो नाखुश हैं हीं, दूसरी तरफ अमेरिकी डीप स्टेट जिससे कई वामपंथी समूह जुड़े हुए हैं, भी उनके खिलाफ हो गया है। यह वही हैं जो बांग्लादेश में तख्तापलट और देश में छात्र आंदोलन के जरिए भारी तबाही मचवाने और शांति का नोबल पाने वाले मोहम्मद यूनूस को लेकर मौन साधकर बैठे हैं। वे भी दक्षिणपंथी एक्टिविस्ट मारिया से शांति के नोबल की वापसी की मांग कर रहे हैं। ये वे आलोचक हैं जो आमतौर पर डोनाल्ड ट्रम्प का भी विरोध करते हैं।

गौरतलब है कि ट्रंप ने वेनेजुएला में तीसरी बार राष्ट्रपति बने निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के लिए इनामी राशि डेढ़ करोड़ डॉलर से बढ़ाकर ढाई करोड़ डॉलर कर रखी है। मादुरो 2013 से यह पद संभाल रहे हैं। इसी साल जनवरी में उनके शपथ ग्रहण समारोह में क्यूबा, निकारागुआ के राष्ट्रपति शामिल हुए। ट्रंप ने उन पर मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप लगाते हुए उनकी कैबिनेट के साथियों रक्षा

मादुरो की मुखालिफत के लिए ट्रंप प्रशासन ने मारिया कोरीना मचाडो को शह दे रखी है। माचाडो वेनेजुएला में एक विपक्षी नेता हैं। एक्टिवस्ट के रूप में भूमिगत रहते हुए सक्रिय रही हैं। लेकिन मारिया के आलोचकों का तर्क है कि उनकी राजनीति के बारे में कुछ भी शांतिपूर्ण नहीं है। वे उसे शासन को बदलने के लिए वाशिंगटन की कठपुतली मानते हैं। अमेरिका ने वेनेजुएला पर क्रूड आयल बेचने पर पाबंदी लगाने के साथ दवा, खाद्य सामग्री भेजने पर भी रोक लगा रखी है। बावजूद इसके मारिया इन अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ मौन रही हैं। वह वेनेजुएला में विदेशी हस्तक्षेप, सख्त पाबंदियों और प्रतिबंधों और निजी कंपनियों को राज्य की संपत्ति सौंपने का समर्थन करती हैं। वामपंथी समूब मारिया के राजनीतिक इतिहास को हिंसा में डूबा हुआ बताते हैं। माचाडो पर 2002 के तख्तापलट में मदद करने का आरोप है। वे तानाशाह राष्ट्रपति मादरो के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों के लिए उनका समर्थन करती आई हैं। मारिया ने विपक्षी अभियान को भी प्रोत्साहित किया जिसे ला सालिडा के नाम से जाना जाता है। जिसने कांटेदार तार के साथ संगठित बैरिकेड्स, श्रमिकों को ले जाने वाली बसों को आग लगाने और एम्बुलेंस और डॉक्टरों पर हमला करने जैसी हिंसक रणनीति का इस्तेमाल किया। डोनाल्ड ट्रम्प का विरोध करने वालों के लिए, माचाडो का उनसे संबंध एक प्रमुख मुद्दा है। उसने ट्रम्प के आक्रमण की धमकियों और कैरिबिआ में युद्धपोतों की तैनाती पर जयकार की। वेनेजुएला की आजादी के लिए राष्ट्रपति मादुरो के खिलाफ कार्रवाई की प्रशंसा की। आलोचक मारिया मारीना मचाडो को एक विनाशकारी वैश्विक समूह के हिस्से के रूप में देखते हैं जिसमें फासीवाद, ज़ायोनीवाद और नवउदारवाद शामिल हैं, जो शांति और लोकतंत्र की भाषा बोलते हुए नियंत्रण और प्रभुत्व को सही ठहराता है।

हालांकि अब तो मारिया को मिले शांति के नोबल से ट्रंप भी नाखुश हैं। लेकिन उनका नोबेल शांति पुरस्कार वापस नहीं हो सकता जिसकी मांग अमेरिकी डीप स्टेट कर रहा है। 7 अक्टूबर, 1967 को जन्मी मारिया सत्तावादी शासन के खिलाफ अपनी अटूट अवज्ञा के लिए वेनेजुएला की आयरन लेडी मानी जाती हैं। चुनावी पारदर्शिता की वकालत करने वाले एक नागरिक संगठन, सुमाते की सह-संस्थापक के रूप में उन्हें पहली बार प्रसिद्धि मिली। वह 2010 में नेशनल असेम्बली के चुनाव में सर्वाधिक मतों से जीतीं थीं लेकिन 2014 से उनको असेम्बली से निष्कासित कर रखा है। नोबल पाने के बाद ट्रंप भले ही नाखुश हों लेकिन ट्रंप और उनके प्रशासन की मदद के चलते मारिया ने अपने पुरस्कार को ट्रंप के नाम समर्पित कर रखा है।

### मप्र में 7.41 लाख की प्रोफाइलिंग कम्पलीट, लोन नहीं चुकाया तो 8 योजनाओं से वंचित हो सकते हैं स्ट्रीट वेंडर्स

# पंजीयन व प्रोफाइलिंग करने के मामले में मप्र देश का दूसरा राज्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई स्ट्रीट वेंडर योजना (पीएम स्वनिधि) में जिन लोगों ने लोन लिया है, अब वे उसे वापस करने से मना नहीं कर सकेंगे। यदि वे ऐसा करेंगे तो उन्हें भारत सरकार की करीब 8 योजनाओं से वंचित होना पड़ सकता है। दरअसल, भारत सरकार ने इस योजना को जब अगस्त में 2030 तक आगे बढ़ाने की मंजूरी दी तो इसके साथ प्रोफाइलिंग को भी बढ़ावा दिया। यानी अब इन स्ट्रीट वेंडर योजना के लाभार्थियों को केंद्र और राज्य सरकार की किन योजनाओं का लाभ मिल रहा है, इसके बारे में डेटा बेस तैयार कर लिया गया है। बड़ी बात यह है कि इस मामले में मप्र दूसरे नंबर पर है। यहां इस योजना के तहत कुल 8.89 लाख लोग पंजीकृत हो चुके हैं और इनमें से 7.41 लाख लोगों की प्रोफाइलिंग कम्पलीट हो चुकी है।

## लाभार्थी के साथ परिवार का डेटा बेस हो रहा तैयार

इसमें पीएम बीमा सुरक्षा योजना, पीएम ज्योति बीमा योजना, पीएम श्रम योगी मानधन योजना, पीएम जन-धन योजना, वन नेशन-वन कार्ड योजना, रजिस्ट्रेशन अंडर बीओसीडब्ल्यू, जननी सुरक्षा योजना, पीएम मातृ वंदन योजना शामिल है। सीधे तौर पर अभी ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। लेकिन, अब लोन लेने वाला लाभार्थी के साथ उसके परिवार का भी संपूर्ण डेटा बेस तैयार कर लिया गया है। मप्र ने अब तक इसके तहत 13 लाख 61 हजार 501 परिवारों का डेटा तैयार कर लिया है कि वे किस- किस योजना का लाभ ले रहे हैं। योजना से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यदि कोई लोन वापस नहीं करता है तो उसकी मिल रहा इन योजनाओं का लाभ बंद हो सकता है। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि स्ट्रीट वेंडर योजना का लाभ लेने वालों को दूसरी योजनाओं का भी लाभ दिलाया जा रहा है। स्ट्रीट वेंडर योजना के लाभार्थी के परिवार में सबसे ज्यादा लाभ वन नेशन, वन कार्ड योजना का लिया जा रहा है । दूसरे नंबर पर पीएम जनधन योजना है।

## राशि बढ़ाने से एक लाख लोग और जुड़े

इस योजना को केंद्रीय मंत्री मंडल ने अभी अगस्त में 2030 तक बढ़ाने की घोषणा की थी। साथ ही इसमें ऋण राशि 10 से बढ़ाकर 15, 20 से बढ़ाकर 25 और तीसरी किस्त 50 हजार रुपए कर दी है। इसके चलते करीब 1 लाख नए लोग इसमें जुड़ चुके हैं। इसमें नगरीय निकाय क्षेत्र में छोटे कामगार शामिल है।

### राजधानी में अस्थायी कर्मचारियों की 'महाक्रांति रैली' शुरू

# अंबेडकर पार्क में हुआ जमावड़ा, बोले- 2 साल बाद मिली आंदोलन की अनुमति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

**प्रदेश के बैंक मित्र, पंचायत चौकीदार, पंप ऑपरेटर, अंशकालीन भृत्य, राजस्व सर्वेयर, आउटसोर्स और अस्थायी कर्मचारी आज भोपाल में एक मंच पर जुटे हैं। ये सभी संगठन मिलकर तुलसी नगर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में प्रदर्शन करेंगे। आल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, अस्थायी, अंशकालीन, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश के बैनर तले हो रहे इस आंदोलन को 'महाक्रांति रैली' नाम दिया है।**

संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा यह आंदोलन किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के उन कर्मचारियों की साझा आवाज है जो वर्षों से अस्थिर रोजगार और आर्थिक अन्याय झेल रहे हैं। सरकार को यह समझना होगा कि कर्मचारियों की मेहनत और निष्ठा का सम्मान ही सुशासन की पहचान है। हम केवल वादे नहीं, अपने अधिकार की गारंटी चाहते हैं।

### दो साल बाद आंदोलन की अनुमति

मोर्चा के संयोजक मंडल के अनुसार, यह प्रदर्शन पिछले दो वर्षों से लंबित था। लगातार अनुमति के लिए आवेदन किए जा रहे थे, लेकिन अब जाकर भोपाल पुलिस ने 12 अक्टूबर के लिए अनुमति दी है। इससे पहले इसी तरह का बड़ा प्रदर्शन वर्ष 2023 में हुआ था।

### ये कर्मचारी नेता रहे मौजूद

रजत शर्मा, अध्यक्ष, बैंक मित्र संगठन
वीरेंद्र गोस्वामी, अध्यक्ष, राजस्व सर्वेयर संघ
राजभान रावत, अध्यक्ष, पंचायत चौकीदार संघ
उमाशंकर पाठक, अध्यक्ष, अंशकालीन कर्मचारी संघ
मनोज उईके, डॉ. अमित सिंह (कार्यवाहक अध्यक्ष) और शिवेंद्र पांडे शामिल होंगे।

### सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बढ़ी उम्मीद

वासुदेव शर्मा ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने 19 अगस्त 2025 को सिविल अपील क्रमांक 8558/2018 में स्पष्ट कहा है कि लंबे समय से कार्यरत अस्थायी, संविदा और आउटसोर्स कर्मियों से कम वेतन पर समान कार्य लेना श्रमिक शोषण है।न्यायालय ने यह भी माना कि समान कार्य करने वाले कर्मचारियों को समान वेतन और सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलना उनका संवैधानिक अधिकार है। मोर्चा का कहना है कि यह फैसला प्रदेश के लाखों कर्मियों के लिए न्याय की नई उम्मीद लेकर आया है।

### 20 साल से बंद हैं नियमित भर्तियां

मोर्चे का आरोप है कि पिछले दो दशकों से प्रदेश में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के नियमित पदों पर भर्ती लगभग बंद है। विभागीय कार्य इन्हीं अस्थायी और आउटसोर्स कर्मियों से कराया जा रहा है, जिन्हें न तो सम्मानजनक वेतन मिलता है, न भविष्य की सुरक्षा। मोर्चा ने कहा यह स्थिति संविधान और श्रम कानूनों की खुली अवहेलना है। अब बदलाव की घड़ी आ गई है।

### मुख्य मुद्दे- मांगें

- सभी अस्थायी, आउटसोर्स, अंशकालीन और संविदा कर्मचारियों को तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर नियमित किया जाए।
- समान कार्य समान वेतन नीति को तत्काल लागू किया जाए या कम से कम 21,000 मासिक वेतन निर्धारित किया जाए।
- ठेका प्रथा, कंपनी राज और अस्थायी रोजगार व्यवस्था को समाप्त किया जाए।
- बैंक मित्रों को सीधे बैंक से जोड़ा जाए, कंपनियों की भूमिका खत्म की जाए और नियमित वेतन दिया जाए।
- राजस्व सर्वेयरों को मासिक वेतन तय कर नियमित रोजगार का दर्जा दिया जाए।
- अलग-अलग जिलों से कर्मचारी भोपाल के लिए रवाना हो गए।
- अलग-अलग जिलों से कर्मचारी भोपाल के लिए रवाना हो गए।

### मप्र में ऑनलाइन हाजिरी में गड़बड़ी

# तीन महीने से अतिथि शिक्षकों को नही मिला मानदेय, नहीं लगा पाए थे ई-अटेंडेंस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

**मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को हमारे शिक्षक एप से ऑनलाइन हाजिरी लगाना अनिवार्य है। हालांकि इसमें अतिथि शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी में आगे हैं। मध्य प्रदेश के 80 फीसद अतिथि शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी लगा रहे हैं। इसके बावजूद भी तीन माह से अतिथि शिक्षकों को मानदेय नहीं मिला। इसका कारण यह है कि ऑनलाइन हाजिरी में आ रही तकनीकी समस्या आ रही है।**

इसका खामियाजा अतिथि शिक्षकों को भुगतना पड़ रहा है। विगत तीन माह से इन्हें मानदेय का भुगतान नहीं हो सका है। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि नेटवर्क और अन्य तकनीकी समस्याओं के कारण अतिथि शिक्षक स्कूल में समय पर उपस्थित नहीं लगा पा रहे हैं। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग का आदेश है कि ऑनलाइन हाजिरी के आधार पर ही अतिथि शिक्षकों को माह में उपस्थिति का ऑनलाइन बिल जनरेट होगा।

### ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाए

अब ई-उपस्थिति नहीं होने से पोर्टल पर मानदेय का भुगतान नहीं हो पा रहा है। अतिथि शिक्षक स्कूल में उपस्थित रहें हैं, इसका उपस्थित पंजी में विधिवत हस्ताक्षर हैं, लेकिन नेटवर्क और तकनीकी समस्याओं के कारण अतिथि शिक्षक ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाए। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अतिथि शिक्षकों के लंबित वेतन भुगतान करने की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि अतिथि शिक्षकों को विगत तीन माह के मानदेय का भुगतान उपस्थिति पंजी के आधार पर किया जाए। जिससे अतिथि शिक्षक दीपावली का त्योहार मना सके और अन्य आर्थिक समस्याओं से निजात पा सके।

### अमृत संवाद में शिकायतें

# स्लीपर कोच में बिना टिकट लोग घुस रहे, वेटिंग हॉल में भी होती है गंदगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर आयोजित अमृत संवाद कार्यक्रम में यात्रियों ने रेलवे की सेवाओं से जुड़ी शिकायतें उठाईं। रेलवे के आला अफसरों ने ओवरचार्जिंग, जनरल कोच की कमी, सफाई व्यवस्था व रेलकर्मियों के व्यवहार पर जवाब देकर सुधार का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में उड़ीसा, पुणे, लखनऊ समेत देश के विभिन्न हिस्सों से आए यात्रियों ने अपनी समस्याएं रखीं। डीआरएम पंकज त्यागी और सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने यात्रियों के सवालों के जवाब दिए और समस्याओं के समाधान का भरोसा भी दिलाया।

उड़ीसा की यात्री सुष्मिता पारीक ने पे-एंड-यूज टॉयलेट में 20 रुपए नहाने का चार्ज लगाए जाने की शिकायत की। उन्होंने ट्रेनों और एसी वेटिंग हॉल में साफ-सफाई की कमी भी बताई। डीआरएम त्यागी ने कहा कि साफ-सफाई बेहतर करने प्राइवेट कांट्रेक्टरों के जरिए काम किया जा रहा है और ओवरचार्जिंग की शिकायत पर कड़ी कार्रवाई होगी।

### असुविधा पर नाराजगी

बेंगलुरु के यात्री मनी कांटा ने बताया कि स्लीपर कोच में बिना टिकट के लोग थे। उनकी सीट पर भी कोई और बैठा था। आठ घंटे तक शिकायत का समाधान नहीं हुआ। डीआरएम ने कहा कि जनरल कोच की संख्या बढ़ाकर जल्द सुधार किया जाएगा। पुणे के चंपा लाल ने नर्मदा एक्सप्रेस की अंतिम बोगी में पार्सल के कारण यात्रियों के लिए जगह न होने और ?14 की पानी की बोतल ?20 में बेचने की शिकायत की। डीआरएम ने कहा कि यात्रियों की शिकायतों के लिए 'रेल मदद' एप उपलब्ध है। सेना में नौकरी कर रहे लखनऊ के आनंद चौबे ने कहा कि स्टेशन स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों को यात्रियों के साथ मानवीय व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने आरपीएफ द्वारा वेटिंग हॉल में सोते यात्रियों को बार-बार जगाने पर आपत्ति जताई।

### सिविल डिफेन्स वॉलेन्टियर्स को मिले प्रशंसा पत्र

भोपाल। विसर्जन ड्यूटी के दौरान लगन, निष्ठा और अनुशासन के साथ ड्यूटी करने वाले सिविल डिफेन्स वॉलेन्टियर्स को प्रशंसा पत्र दिए गए। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेट कमल नाथ धूर्वे ,शरद यादव प्लाइन कमाण्डेंट, भूपेन्द्र यादव उपस्थित थे। जिन्हे प्रशंसा पत्र मिले उनमे शेख आसिफ, अखबार खान अशोक संगल, प्रिया शर्मा, शिवानी यादव, देवेंद्र श्रीवास्तव, सीमा खानकृष्ण श्रीवास्तव, सरोज राजेश कुमार राहुल माखन बंसल, सौरभ वरकरे, सचिन कमल अहिरवार, रामशिरोमणि लखेरा, रामराज जाटव आकाश रजक, शुभम नगर, प्रियांशु अर्जुन मालवीय, राज बहोर विश्वकर्मा आदि शामिल हैं।

### भोपाल, इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर की रातें ठंडी रहेंगी; राजगढ़ सबसे ठंडा

**भोपाल ।** मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले 4 दिन हल्की बारिश का अलर्ट है। सिवनी, मंडला, बालाघाट, अनूपपुर और डिंडौरी में पानी गिर सकता है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और ग्वालियर संभाग के शहरों में रातें ठंडी रहेंगी। इससे पहले शनिवार को भी पूर्वी हिस्से में बूंदाबांदी रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी हिस्से में लोकल सिस्टम की एक्टिविटी होने की वजह से बारिश होने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले चार दिन तक हल्की बारिश हो सकती है। बता दें कि प्रदेश के सिंगरौली, सीधी, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, जबलपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा आदि जिलों से मानसून अभी नहीं लौटा है। मौसम वैज्ञानिक शर्मा ने बताया कि अभी कई शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम है। उत्तरी हवा की वजह से रातें ठंडी रहेंगी। पश्चिमी हिस्से यानी- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और नर्मदापुरम संभाग में असर ज्यादा रहेगा।

### एम्स भोपाल में प्लाज्मा चोरी का हुआ राजफाश

# आरोपियों ने नासिक व औरंगाबाद में बेचा 1150 यूनिट प्लाज्मा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स अस्पताल से चोरी हो रहे ब्लड प्लाज्मा की अंतरराज्यीय कालाबाजारी पर बड़ा राजफाश हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह अब तक कम से कम 1150 यूनिट प्लाज्मा चोरी करके महाराष्ट्र के नासिक और औरंगाबाद स्थित दो निजी प्रयोगशालाओं को बेच चुका है। इन प्रयोगशालाओं में प्लाज्मा का उपयोग कर बायोमेडिकल दवाएं बनाई जा रही थीं। पुलिस ने नासिक और औरंगाबाद में इन प्रयोगशालाओं के संचालन से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

**पुलिस की दो टीमें महाराष्ट्र भेजी गई-** पुलिस के अनुसार, गिरोह का सरगना लक्की पाठक पहले ही गिरफ्तार है। उसका भाई दीपक पाठक इस रैकेट का प्रमुख सप्लायर निकला है। दीपक ने पूछताछ में बताया कि वह औरंगाबाद के लैब संचालक करण चौहान और नासिक के श्याम देशमुख को चोरी किया गया प्लाज्मा बेचता था। पुलिस के अनुसार, दीपक ने बीते कुछ महीनों में करण को 800 यूनिट प्लाज्मा और श्याम को 350 यूनिट प्लाज्मा सप्लाई किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए भोपाल की बागसेवनिया थाना पुलिस की दो टीमें महाराष्ट्र भेजी गई थीं।

**मेट्रो एंकर** डीएसपी के साले की मौत का मामला, पेट पर डंडे मारने से हुई थी मौत

# हत्या करने वाले आरक्षकों पर केस-दोनों आरोपी हिरासत में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में डीएसपी केतन अडलक के साले उदित की डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोनों आरक्षक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। शनिवार की तड़के सुबह दोनों पर एफआईआर दर्ज की गई है। देर रात दोनों आरक्षक को हिरासत में ले लिया गया है।उनकी तलाश में थाने की तीन टीमें जुटी हैं। एफआईआर से पहले पुलिस ने उन्हें निलंबित कर दिया था। जानकारी के मुताबिक बैंक कॉलोनी बाग दिलकुशा निवासी उदित गायकी पुत्र राजकुमार( 22 ) पेशे से इंजीनियर था। उसके पिता एमपीईबी में असिस्टेंट इंजीनियर हैं, जबकि मां संगीता सेमरा के शासकीय स्कूल में टीचर हैं। उदित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, उससे बड़ी दो बहने हैं। एक की शादी डीएसपी केतन अडलक के साथ हुई है, जो इन दिनों बालाघाट हॉक फोर्स में

पदस्थ हैं।

**बीयर पार्टी करते हुए पुलिस ने पकड़ा और पीटा-** गुरुवार रात उदित अपने दोस्त अक्षत भार्गव और दीपक बरकड़े के साथ इंद्रपुरी में बैठकर बीयर पार्टी कर रहा था। तभी चार्ली पर तैनात आरक्षक संतोष बामनिया और आरक्षक सौरभ आर्या ने तीनों को पकड़ लिया था। इस दौरान दोनों पुलिसकर्मियों ने पहले उदित के कपड़े उतरवाए और फिर डंडे पिटाई की थी।

**सीसीटीवी फुटेज को जब्त किया-** पुलिस ने शुक्रवार को सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जब्त कर लिए हैं। इन्हें जांच में मुख्य साक्ष्य के तौर पर रखा गया है। जिससे उसे हत्या के सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया जाएगा। साथ ही पुलिस ने हत्या के मामले में उसके दोस्तों को गवाह बनाया है।

दोस्त उसे पहले सांई अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे गंभीर हालत देखने के बाद एम्स पहुंचा दिया गया।

एम्स में चंद घंटे चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई थी। आरोपी पुलिसकर्मियों ने दस हजार रुपए की डिमांड भी की थी। जब रकम नहीं मिली तो दबाव बनाने की नीयत से केतन को पीटा गया था। डीसीपी जोन-2 विवेक सिंह ने बताया कि दोनों पुलिस आरक्षकों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। अभी उनकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

### छुट्टी लेकर भोपाल आया था उदित

परिजनों ने पुलिस को बताया कि सीहोर में स्थित कॉलेज से बीई की पढ़ाई की थी। पिछले महीने ही उसकी नौकरी लगी थी। वह छह दिन की छुट्टी लेकर भोपाल आया था। शुक्रवार को दोस्तों के साथ डिग्री लेने के लिए सीहोर स्थित कॉलेज गया था। उसे अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री कंपनी में जमा करना थी।वह दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम स्पैंड करना चाहता था। लिहाजा दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। युवकों के हाथ में बीयर देख पुलिसकर्मियों ने उन पर दबाव डाला। जेल भेजने की धमकी दी, नहीं तो दस हजार रुपए देने की मांग की। जब इस बात का विरोध किया गया तो उदित को बेरहमी से पीटा गया।

### अब भोपाल में हर साल एमपी ट्रैवल मार्ट 11 से 13 अक्टूबर तक होगा, सीएम बोले-

# भोपाल, इंदौर, उज्जैन को बांधवगढ़, खजुराहो से कनेक्ट करने हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करेंगे

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र में अब भोपाल, इंदौर और उज्जैन जैसे शहरों को बांधवगढ़, मांडू, खजुराहो पर्यटक स्थलों से सीधे कनेक्ट करने जल्द हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होगी। साथ ही एकता कपूर, गजराज राव व रघुवीर यादव जैसे फिल्म कलाकार शूटिंग और पर्यटन से जुड़े प्रोजेक्ट के लिए मप्र के साझेदार बनेंगे।

सीएम ने घोषणा की कि अब हर साल राजधानी में 11 से 13 अक्टूबर के बीच एमपी ट्रैवल मार्ट का आयोजन होगा। सीएम ने कहा कि ग्वालियर और रीवा में हुई टूरिज्म कॉन्क्लेव में 6500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं, जबकि पहली बार हो रहे एमपी ट्रैवल मार्ट में कुल 3665 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। ये प्रस्ताव निवेश से ज्यादा मप्र के प्रति बाहर से आने वालों का विश्वास दिखाते हैं। मप्र 1 रुपए से भी कम में आयुष्मान योजना से जुड़े लोगों को हेलीकॉप्टर यात्रा का मौका दे रहा है। डॉ. यादव ने कहा कि एकता कपूर ने मप्र के साथ एमओयू किया है। वो आने वाली फिल्मों कि शूटिंग प्रदेश में करेंगी।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मप्र ने डेढ़ साल में नीतियों से अपनी अपार पर्यटन संभावनाओं को भुनाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि पर्यटन में हर 100 करोड़ के निवेश से 90 हजार नौकरियां पैदा होती हैं। मप्र की ब्रांडिंग वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर करने के लिए मुख्यमंत्री के साथ ट्रैवल वेडिंग प्लानिंग और इवेंट मैनेजमेंट क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भी बात की।

### रोजगार के लिए कदम

कार्यक्रम में दो महत्वपूर्ण एमओयू भी हुए साइन
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि दो महत्वपूर्ण एमओयू आज हुए हैं। पहला कि रंग मंडल भारत भवन का राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से एमओयू हो गया है। इसके माध्यम से अब मप्र का टैलेंट में और निखार आएगा और कला उच्च स्तर तक जाएगी। वहीं दूसरा एमओयू मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के बीच हुआ है। इसकी मदद से मप्र में विरासत, पुरा संपदा को हम दुनिया तक पहुंचाएंगे। इससे टूरिज्म बढ़ेगा और लोगों को रोजगार मिलेंगे। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नर्मदा क्रूज परियोजना के लिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मप्र पर्यटन बोर्ड द्वारा पांच कंपनियों जंगल कैंप्स इंडिया, नॉलेज मरीन एंड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, नॉलेज मरीन एंड इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, एब्सोल्यूट टेक मैनेजमेंट एलएलपी, एब्सोल्यूट टेक मैनेजमेंट एलएलपी, सेइना इंफोटेनमेंट प्रा. लि. इंदौर, तथा मेसर्स एच्ट को लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस प्रदान किए।

### 17 सितंबर तक पूरी होगी प्रक्रिया

# कांग्रेस के मेंबर बने 3.56 लाख युवाओं के सुधारे जाएंगे आवेदन इसके बाद घोषित होंगे परिणाम

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

युवा कांग्रेस चुनाव के बीच सदस्यता लेने वाले 3 लाख 56 हजार 302 युवाओं के सदस्यता आवेदन में हुई गलतियों का सुधार कांग्रेस कराएगी। सदस्यता आवेदन में सुधार की यह प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है जो 17 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद सुधार के आधार पर ऐसे युवाओं को कांग्रेस की मेंबरशिप देकर उनके वोट स्वीकार किए जाएंगे और युवा कांग्रेस पदाधिकारियों के पदाधिकारियों के निर्वाचन की लिस्ट घोषित की जाएगी।

यह जानकारी युवा कांग्रेस के एमपी के रिटर्निंग अधिकारी मुकुल गुप्ता ने दी। गुप्ता ने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस के चुनाव की घोषणा 18 अप्रेल को की गई थी। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सदस्यता अभियान खत्म हो गया है। युवा कांग्रेस चुनाव के प्रदेश के रिटर्निंग अधिकारी मुकुल गुप्ता के अनुसार एमपी में सदस्यता अभियान के दौरान कुल 14 लाख 74 हजार 374 सदस्यता आवेदन मिले। इसमें संगठन की मानक प्रक्रिया का पालन कराने के बाद 5 लाख 16 हजार 155 सदस्यता आवेदन निरस्त किए गए हैं।

### 6 लाख युवाओं के आवेदन किए गए मान्य

इसके अलावा 3 लाख 56 हजार 302 सदस्यता आवेदन ऐसे हैं, जिनमें मामूली गलतियां है और संशोधन के लिए 11 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक का समय तय किया गया है। वहीं कुल सदस्यता आवेदन में से 6 लाख 1 हजार 917 युवाओं के आवेदन मान्य किए गए हैं। ऑन होल्ड सदस्यता के निर्धारित मापदंड पूरे होने के बाद उसे भी स्वीकृत मेंबर की कैटेगरी में शामिल किया जाएगा। इसके बाद मान्य और स्वीकृत सदस्यता के आधार पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष, महामंत्री समेत अन्य पदाधिकारियों के चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। बता दें कि युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों के लिए चुनाव की प्रक्रिया जुलाई में शुरू हुई थी जो अगस्त तक चली और अब युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य दावेदारों के चुनाव परिणाम का इंतजार है।

## एमएसएमई सम्मेलन कल, सीएम करेंगे शुभारंभ

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 13 अक्टूबर को होटल ताज भोपाल में एमएसएमई सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। सम्मेलन में उद्यमियों और स्टार्टअप को अनुदान तथा सहायता राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया जाएगा। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप उपस्थित रहेंगे। वर्चुअली कार्यक्रम से प्रदेश के सभी जिले भी जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 औद्योगिक क्षेत्रों, 3 नवीन कार्यालय भवनों की वर्चुअली आधारशिला रखेंगे। सम्मेलन में एमएसएमई एवं ओएनडीसी के मध्य एमओयू किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करेंगे। साथ ही उद्यमियों को औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड वितरण भी करेंगे। सम्मेलन में नव उद्यमी और स्टार्टअप्स अपने अनुभव साझा करेंगे।

### उज्जैन सिंहस्थ 2028

# आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा आधारित तकनीक से होगा में भीड़ प्रबंधन

**भोपाल, दोहपर मेट्रो**

सिंहस्थ-2028 के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा-आधारित तकनीकों के माध्यम से भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुरक्षा, गतिशीलता, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाएगा। इसके लिए उज्जैन महाकुंभ हैकाथान का आयोजन किया गया था। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में उज्जैन महाकुंभ हैकाथान-2025 के दो दिन के सत्र में प्रौद्योगिकी, नवाचार और संस्कृति का संगम देखने को मिला। मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इस आयोजन में देशभर के युवाओं को एक मंच पर सिंहस्थ-2028 के लिए स्मार्ट, सुरक्षित और समावेशी समाधान प्रस्तुत करने का अवसर मिला। यह सिंहस्थ-2028 के लिए समाधान विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। देश के 26 राज्यों से पंजीकरण और 11 राज्यों की 36 चयनित टीमों की भागीदारी ने इस हैकाथान को भारत की नवाचार विविधता का प्रतीक बनाया। टीमों ने नवाचार और तकनीक के अलग-अलग प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए। चयनित टीमें अगले दो महीनों के परिशोधन अवधि में अपने समाधानों को और विकसित करेंगी, जिससे सिंहस्थ-2028 के लिए एक सशक्त, समावेशी और टिकाऊ तकनीकी आधार तैयार हो सके। कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, आयुक्त, नगरीय प्रशासन संकेत एस. भोंडवे सहित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभागियों के रचनात्मक, तकनीकी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक समाधानों की सराहना की।

### भीड़ नियंत्रण प्रणाली की विकसित

सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजनों के लिए डिजाइन नवाचारों में जंगोह (इंदौर) ने सिंहथा यूनिफाइड प्लेटफार्म प्रस्तुत किया। यह स्थानीय भाषाओं में एआइ-संचालित सहायता, रीयल-टाइम अपडेट्स प्रस्तुत करता है। सेल्फ सर्व बूथ ने एक 6डी वर्चुअल रियलिटी अनुभव प्रस्तुत किया, जो कुंभ के वातावरण को वैश्विक दर्शकों के लिए सजीव बनाता है। संचार वारियर ने एक रीयल-टाइम भीड़ निगरानी और चेतावनी प्रणाली विकसित की जो आपात स्थिति में मूक रिपोर्टिंग को भी सक्षम बनाती है। सेफ क्लाक ने भारतीय भाषाओं में डेटा भंडारण माडल पर ध्यान केंद्रित किया। मेडीवेंड ने रियल-टाइम वाइस इंटरफेस से युक्त एक चिकित्सा वेंडिंग प्लेटफार्म प्रदर्शित किया। उज्जैन महाकुंभ हैकाथान ने न केवल भविष्य की तकनीकी शासन प्रणाली की झलक दी, बल्कि मध्य प्रदेश के डिजिटल ट्रांसफार्मेशन विजन को भी मजबूती प्रदान की।

# संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 12 अक्टूबर 2025

## फिटनेस

# जिम में पसीना बहाने वाले अगर सावधानी रखेंगे तभी सामने आएंगे मनचाहे नतीजे

**अक्सर देखा जाता है कि जिम में वर्कआउट करने के बाद लोग कुछ भी खा लेते हैं। आपको बता दें जिम या वर्कआउट का बेहतर रिजल्ट तभी मिलता है, जब आप डाइट का भी ध्यान रखते हैं। बेहतर रिजल्ट पाने के लिए वर्कआउट के बाद कुछ चीजों के सेवन से बचना चाहिए।**

हेल्दी एंड फिट दिखने के चक्कर में लोग जिम में खूब पसीना बहाते हैं। कुछ लोग वजन कम करने के लिए भी जिम जाते हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं, जो जिम में घंटों पसीना बहाने के बाद भी फिट नहीं दिखते हैं या उनका वजन ही कम नहीं होता है। इसकी एक बड़ी वजह उनक डाइट प्लान हो सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जिम में वर्कआउट करने के बाद लोग कुछ भी खा लेते हैं। आपको बता दें जिम या वर्कआउट का बेहतर रिजल्ट तभी मिलता है, जब आप डाइट का भी ध्यान रखते हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि वजन कम करना हो या परफेक्ट बॉडी शेप पानी हो, आपको जिम के साथ-साथ अपने खाने-पीने का भी ध्यान रखना चाहिए।

सर्टिफाइड पर्सनल ट्रेनर और डायटीशियन अक्षय सिंघल के अनुसार, इस बात का ध्यान रखें कि वर्कआउट के बाद भोजन करना आवश्यक है। यह आपकी मांसपेशियों को फिर से भरने, सूजन को कम करने और दुबला मांसपेशियों को बनाने या बनाए रखने में मदद करता है। बेहतर रिजल्ट पाने के लिए आपको वर्कआउट के बाद कुछ चीजों के सेवन से बचना चाहिए।

### वर्कआउट के ठीक बाद सलाद खाना

बेशक सलाद खाना एक हेल्दी आइडिया है लेकिन वर्कआउट के बाद सलाद खाना सही नहीं है। सलाद में फाइबर की मात्रा अधिक होती है और आंत को पचाने के लिए अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कसरत के ठीक बाद पाचन तंत्र मजबूती से काम नहीं कर पाता है जिसकी वजह से इसे पचाना मुश्किल हो सकता है। इसके बजाय, केले और प्रोटीन पाउडर के साथ स्मूदी जैसे कार्ब्स और प्रोटीन जैसी चीजों को लेना चाहिए।

### वर्कआउट के बाद पानी का महत्व

कुछ लोग वर्कआउट के बाद पानी नहीं पीते हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि कसरत के बाद पानी पीना जरूरी है। जब आप कसरत करते हैं, तो पसीने के जरिए तरल पदार्थ खो जाते हैं, और इसे बदलने की आवश्यकता होती है। कसरत के बाद कम से कम 2 कप (16 औंस) पानी पिएं। कसरत के बाद सिर्फ प्रोटीन की ही नहीं, कार्ब्स भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। कार्ब्स शरीर को ऊर्जा देते हैं और कसरत के बाद इसकी आवश्यकता होती है। प्रोटीन और कार्ब्स का मिश्रण मांसपेशियों के निर्माण और मरम्मत में मदद करता है।

### वर्कआउट के बाद कुछ भी नहीं खाना गलत

वजन कम करने या मांसपेशियों को बनाए रखने के लिए वर्कआउट के बाद कुछ ना कुछ खाना जरूरी है। कुछ लोग यह गलती कर जाते हैं और कुछ नहीं खाते हैं। भोजन आपके तनाव हार्मोन को कम करने और पूरे दिन आपके रक्त शर्करा को संतुलित करने में मदद करता है।

### जरूरी नहीं है कसरत के बाद स्पोर्ट्स ड्रिंक पीना

एक्सपर्ट का मानना है कि यदि आपका व्यायाम 60 से 90 मिनट से कम समय तक चल रहा है, तो आपको स्पोर्ट्स ड्रिंक की जरूरत नहीं है। सिर्फ हेल्दी फूड लेने और पानी से खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स को भरने में मदद मिल सकती है। अधिकांश स्पोर्ट्स ड्रिंक प्रोसेस्ड शुगर और एडिटिव्स से भरे होते हैं, जो सेहत को बनाने की बजाय बिगाड़ सकते हैं।

## जीवन ज्योति

सिस्टर शिवानी

# बाहरी सुख की तलाश में खो रही है आंतरिक शांति

युवाओं में बढ़ती अपराध की प्रवृत्ति का मूल कारण उनकी आंतरिक शक्ति का कमजोर होना है। आज के युवा बाहरी सफलता और सुख की तलाश में अपनी आंतरिक शांति और खुशियों को खो रहे हैं। आत्मा स्वाभाविक रूप से शक्तिशाली होती है, लेकिन लगातार नकारात्मक विचार, भय, क्रोध और चिंता जैसी आदतें इसे कमजोर करती हैं। जब यह आंतरिक शक्ति कमजोर होती है, तो व्यक्ति बाहरी दबावों और स्थितियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है, जिससे वह गलत रास्ते पर जा सकता है। बच्चों में शर्म और अपराधबोध की प्रवृत्ति युवावस्था में जोखिम भरे और गैरकानूनी व्यवहार की भविष्यवाणी करती है। अधिकतर युवाओं के लिए मोबाइल फोन एक ऐसा 'खिलौना' बन गया है, जो बच्चों के मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रहा है। इससे ध्यान और एकाग्रता में कमी आती है और युवा तुरंत पहचान बनाने के लालच में अपराध की ओर मुड़ सकते हैं।

माता-पिता को बच्चों को धमकाने, लगातार आलोचना करने या अपनी इच्छाएं थोपने से बचना चाहिए। इसके बजाय, उन्हें बच्चों के व्यक्तित्व को समझने और उनकी प्राकृतिक प्रतिभाओं को निखारने पर ध्यान देना चाहिए। प्यार और मानसिक मजबूती के बजाय बच्चों की आलोचना करना उन्हें भावनात्मक रूप से कमजोर करता है।

हर युवा अपनी भूमिका को निष्पक्षता से परखे और स्वयं में परिवर्तन लाकर सुंदर सुखद विश्व के निर्माण में सहयोगी बने। पूरा विश्व हलचल के दौर से गुजर रहा है। हर ओर से हिंसा, काम, अपराध, अराजकता और प्राकृतिक आपदाओं की घटनाये हो रही हैं। ऐसे में यह विचार करना होगा कि ऐसा आखिर क्यों हो रहा है, कौन इनका जिम्मेदार है और कौन ठीक करेगा। हमे सोचना होगा कि विश्व को इस दुखद स्थिति तक पहुंचाने और इसे पुनः खुशहाल बनाने में हमारा क्या योगदान हो सकता है।

हम में से अधिकांश लोग तनाव भय और क्रोध जैसी अस्वस्थ भावनाओं का अनुभव करते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि हमारी चेतना या ऊर्जा शक्ति बहुत निम्न फ्रीक्वेंसीपर पहुंच गई है। आत्म-शक्ति क्षीण हो गई है। आत्मा के मूल गुण प्रेम, सुख, शांति और आनंद आदि हैं, लेकिन आज इन पर पांच विकारी भावनाएं काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार हावी हो गई है। जैसा हम संकल्प करते हैं वैसा ही बन जाते हैं। जैसा हम सोचेंगे या करेंगे इस विश्व में उन्हीं भावों का विकास होगा।

कलयुग में अपराध के पीछे नकारात्मक ऊर्जा प्रभावशील है। इस युग में नकारात्मकता का चक्र हिंसा को बढ़ाता है। इससे बाहर निकलने के लिए सकारात्मक कंपन (वाइब्रेशन) फैलाना जरूरी है। अपराध की प्रवृत्ति को रोकने के लिए आध्यात्मिकता और आत्म-चिंतन करना होगा। हमें अपने भीतर की शांति, खुशी और शक्ति को पहचानना चाहिए। इसके लिए हर दिन केवल 10 मिनट अपने लिए निकालना भी आंतरिक शक्ति को बहाल कर सकता है।

## सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 12 से 18 अक्टूबर तक

पंडित विष्णु राजौरिया

**मेष:** मेष राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यंत व्यस्त रहेंगे। व्यस्तता के चलते उनको अनेक स्थानों पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही व्यवहार बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं। परिश्रम की अधिकता होने से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। अत: प्रत्येक कार्य सावधानी से करें।

**वृषभ:** वृषभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में सुखद अनुभूति प्राप्त करेंगे। विगत कई दिनों से किए जा रहे प्रयासों में सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं। व्यापार व्यवसाय एवं कृषि संबंधी कार्यों में भूमि भवन संबंधी कार्यों में विशेष सफलता के संकेत मिल रहे हैं। इस सफलता से आपके मन में एवं परिजनों में उत्साह का वातावरण बनेगा विभिन्न प्रकार की बाधाएं कोर्ट कचहरी से संबंधित मुकदमें इनमें सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं।

**मिथुन:** मिथुन राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं। आर्थिक कार्यों से जुड़े सभी जातक अपने कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आय के साधन बढ़ने के साथ ही आपके परिवार की सुख सुविधाओं में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं। ग्रह गोचर के अनुसार लाभ और व्यवहार में उत्तम संतुलन बनेगा।

**कर्क:** कर्क राशि के जातक आगामी सप्ताह में अनेक स्थानों का भ्रमण करते हुए आनंद का अनुभव करेंगे। छोटे शहरों में रहने वाले जातक भी अपने पसंद के स्थान पर भ्रमण करने का लाभ प्राप्त करेंगे। साथ ही आपकी आय के साधनों के जो उपाय विगत दिनों से सफल नहीं हो पा रहे थे उनमें भी आपको सफलता मिलेगी।

**सिंह:** सिंह राशि के जातकों को यह सप्ताह मान सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाने वाला साबित होगा। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को यह सप्ताह सुखद अनुभूति कर सकता है। आपकी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी संगठन में उच्च पद प्रतिष्ठा प्राप्त होने से आपका मन गौर्वान्वित होगा। साथ ही समाज से जोड़ने के विशेष अवसर प्राप्त होगा।

**कन्या:** कन्या राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत उत्तम सिद्ध होगा। विशेष रूप से आर्थिक कार्यों में लगे हुए जातक बैंक इंश्योरेंस का आर्थिक सलाहकार जैसे कार्यों को करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ में वृद्धि होगी। मान सम्मान और प्रतिष्ठा मिलेगी साथ ही घर परिवार के लिए उपयोगी वस्तुओं का संग्रह बढ़ेगा। घर परिवार की समस्याओं का निराकरण होगा।

**तुला:** तुला राशि के जातकों को कुछ सावधानी की आवश्यकता रहेगी। विशेष रूप से आर्थिक कार्यों में लेनदेन में उतार-चढ़ाव के संकेत मिल रहे हैं। अनावश्यक व्यवहार से बचें अपनी आमदनी के अनुसार व्यय करें। अन्यथा वित्तीय संतुलन बिगड़ने से आपको मानसिक और सामाजिक कष्ट का अनुभव हो सकता है। अत: पुराने बुजुर्गों की यह कहावत की अपनी चादर से अधिक पैर ना पसारे इसका विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

**वृश्चिक:** वृश्चिक राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत उत्तम रहेगा। आपके व्यापार व्यवसाय में उन्नति रुके हुए कार्यों में सफलता। साथ ही कई दिनों से जिस कार्य से धन प्राप्त होना था उसमें भी सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं। कोर्ट कचहरी संबंधी विवादों में सफलता मिलेगी। जिससे आपके व्यापार व्यवसाय एवं कृषि संबंधी कार्यों में गतिशीलता बढ़ेगी। आपके जीवन का कोई महत्वपूर्ण कार्य भी इस सप्ताह में संपन्न होने के संकेत हैं।

**धनु:** धनु राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ सुखद अनुभूति प्राप्त कर सकेंगे। रुके हुए कार्यों का होना, रुके हुए धन का प्राप्त होना। किसी मांगलिक कार्य की रूपरेखा तैयार होना अथवा रुका हुआ कार्य संपन्न होना जैसे घटनाक्रम घटेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें आपकी वाणी के कारण आपको अनावश्यक विवाद में पढ़ना पढ़ सकता है जो कि आपको नुकसान देह साबित हो सकता है। वाणी के कौशल से आप अपने कार्यों को संपन्न करें, जिससे आपको उत्तम सफलता प्राप्त होगी।

**मकर:** मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह में विगत दिनों की अपेक्षा कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य में गिरावट उधर विकार खास तौर से जिनकी अवस्था 60 वर्ष से ऊपर है उनका विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता है। अपनी वाणी कुशल से आप आए हुए कासन को संभाल सकते हैं। इसका पूरा उपयोग करें। धैर्य आपके जीवन का अभिन्न अंग है।

**कुंभ:** कुंभ राशि के जातक अत्यंत भ्रमणशीलता होने के कारण अपने कार्यों को करने में सक्षम रहेंगे। अपितु आपके मार्ग में अनेक बाधाएं आएगी, उन बाधाओं के निराकरण का उचित मार्ग बताने वाले भी मिलेंगे। अत: अपने भ्रमण के दौरान विशिष्ट जनों से मुलाकात करना ना भूले। वरिष्ठ जनों की सलाह से बड़े कार्यों को संपन्न करें।

**मीन:** मीन राशि के जातक अपने स्वास्थ्य के प्रति कुछ चिंता का अनुभव कर सकते हैं। कार्य की अधिकता भाग दौड़ से बचें अपनी नियमित दिनचर्या में विश्राम को भी शामिल करें। त्योहार के अवसर पर आवश्यकता से अधिक कार्य होने के कारण आपको थकावट का अनुभव होगा। स्वास्थ्य फेफड़े ज्वार सर्दी जुकाम खांसी जैसी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। अत: अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें विशेष रूप से स्त्री वर्ग में यह परेशानी रहेगी।

## मोटिवेशन

# कभी 11वीं कक्षा में फेल हुई थीं, फिर डिप्टी कलेक्टर बन गई किसान पिता की बिटिया

**कहते** हैं असफलता से मत डरो, बल्कि कोशिश न करने से डरो। क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। गरीब किसान परिवार से आने वाली प्रियल यादव (शादी के बाद प्रियल सिंह राठौड़) की सक्सेस स्टोरी बहुत-सी लड़कियों के लिए प्रेरणा से कम नहीं हैं। कभी 11वीं में हुई प्रियल आज मध्य प्रदेश में डिप्टी कलेक्टर हैं। उन्होंने एक या दो बार नहीं, बल्कि तीन बार एमपीपीएससी एग्जाम क्रैक किया है।

### प्रेरित करती प्रियल की कहानी

11वीं क्लास पास न कर पाने की चौंकाने वाली असफलता से लेकर अपने गृह राज्य मध्य प्रदेश में डिप्टी कलेक्टर बनने तक, प्रियल यादव ने अपने जीवन में एक लंबा सफर तय किया है। उनकी कहानी उन सभी को मोटिवेट कर सकती है, जो परेशानियों और असफलताओं के बावजूद एक अच्छा करियर बनाने की ख्वाहिश रखते हैं। प्रियल यादव मूल रूप से मध्यप्रदेश में हरदा जिले के एक साधारण किसान परिवार से आती हैं। उनके पिता एक किसान हैं और मां एक गृहिणी हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कहा है कि मेरी मां सातवीं या आठवीं तक पढ़ी है। वहीं, उनके पिता तीसरी पास हैं। इसके बावजूद प्रियल को उनलोगों ने अपने से दूर भेजकर इंदौर में पढ़ाया है। प्रियल बचपन से ही पढ़ाई में प्रतिभाशाली थीं। 10वीं क्लास में उनके 90 प्रतिशत नंबर थे। लेकिन 10वीं पास करने के बाद लिए एक फैसला गलत हो गया था। उन्होंने रिश्तेदारों के कहने पर मेडिकल स्ट्रीम में जाने का सोचा, जिसकी वजह से वे 11वीं क्लास में फेल हो गई थीं।

प्रियल ने एक इंटरव्यू में बताया था, मैं 10वीं क्लास तक टॉपर थी। हालांकि, रिश्तेदारों के दबाव के कारण, मैंने 11वीं क्लास में फिजिक्स, केमिस्ट्री और और गणित विषय चुने, जबकि इन विषयों में मेरी कोई रुचि नहीं थी और मैं फिजिक्स में फेल हो गई।

### कामयाबी का श्रेय माता-पिता को

प्रियल अपनी कामयाबी का श्रेय माता-पिता को देती हैं, जिन्होंने उनकी पढ़ाई में उनका साथ दिया और ग्रामीण पृष्ठभूमि से होने के बावजूद कभी किसी चीज की कमी नहीं होने दी। साथ ही जिस समाज में लड़कियों की शादी बहुत जल्द करा दी जाती है माता-पिता ने इसके लिए कभी दबाव नहीं डाला। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, मैं एक ग्रामीण इलाके से हूं जहां लड़कियां कम उम्र में शादी कर देती हैं, लेकिन मेरे माता-पिता ने मुझ पर शादी के लिए दबाव नहीं डाला। मुझे अपनी पढ़ाई जारी रखने की पूरी आजादी दी।

### तीन बार क्रैक किया PCS एग्जाम

11वीं क्लास में फेल होने के बावजूद, प्रियल ने दृढ़ता दिखाई और आखिर में अपने धैर्य और कड़ी मेहनत से कामयाबी हासिल की। उन्होंने तीन बार मध्य प्रदेश सिविल सेवा परीक्षा (MPPSC PCS E&am) क्रैक किया। उन्होंने साल 2019 में पहला अटेंप्ट दिया और प्रीलिम्स, मेन्स, इंटरव्यू क्लियर करके 19वीं रैंक हासिल की। उन्हें जिला रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया। उन्होंने 2020 में फिर से एमपीपीएससी परीक्षा दी और 34वीं रैंक हासिल की। इस बार वे सहकारिता विभाग में सहायक आयुक्त के पद के लिए चुनी गईं।

## सबसे अलग

# इंडोनेशिया का एक हिंदू गांव जहां आज तक नहीं हुआ कोई अपराध, सफाई में भी नंबर 1

**दुनिया** के हर देश और हर शहर की अपनी एक अलग पहचान होती है। कहीं खूबसूरत पहाड़ हैं, तो कहीं झरनों की मधुर आवाज, कहीं अनोखी स्थानीय परंपराएं, तो कहीं का खान-पान। लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कुछ ऐसे भी शहर हैं, जो लाइफस्टाइल के लिए फेमस हैं, तो कुछ अमीरी में चर्चा का विषय है। आज हम आपको उस गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दुनिया का सबसे स्वच्छ हिंदू गांव है। यह साफ-सफाई के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए भी मसहूर है।

दरअसल, मुस्लिम देश इंडोनेशिया के गांव की कहानी कुछ अलग ही है। इंडोनेशिया के बांग्ली जिले में पेंगलिपुरन नाम का एक गांव बसा है। जो दुनिया का सबसे साफ हिंदू गांव कहलाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यहां कोई अपराध नहीं होता है। इस मुस्लिम आबादी वाले देश में बाली द्वीप पर स्थित यह छोटा-सा गांव पूरी दुनिया में अपनी सफाई और अनुशासन के लिए मिसाल बना हुआ है। यह बाली की राजधानी देनपसार से करीब 45 किलोमीटर और बांग्ली शहर से केवल 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह गांव

पहाड़ी इलाकों में बसा है। इस गांव की अपने आप में शांत जगह है। जहां सभी घरों के लोग एक साथ मिलकर सभी सुख-दुख से निपटते हैं। घर के आंगन में महिलाओं का जमघट, खेतों पर किसानी करते हुए पुरूष, किसी भी खुले पेड़ों के नीचे खुले आसमान में बच्चों का खेलकूंद यहां की असली पहचान है।

## स्कैम अलर्ट

# एआई बना रहा ठगों का काम आसान, 'आई एम नॉट ए रोबोट' पर क्लिक करने से बचें

**डिजिटल** दुनिया में जहां कैप्चा का इस्तेमाल सुरक्षा के लिए किया जाता था, वहीं अब यही यूजर्स के लिए खतरे की वजह बन गया है। 'आई एम नॉट ए रोबोट' जैसे विकल्प के जरिए साइबर अटैकर्स लोगों को फेक वेबपेज पर भेजकर फिशिंग स्कैम का शिकार बना रहे हैं।

पहले जहां ऐसे अटैक करना मुश्किल होता था, अब यह बेहद आसान हो गया है। फ्री होस्टिंग प्लेटफॉर्म जैसे Vercel, Netlif4 या अन्य टूल्स की मदद से कोई भी व्यक्ति कुछ ही मिनटों में असली जैसी वेबसाइट तैयार कर सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से अब फिशिंग साइट्स को पहचानना और भी मुश्किल लगने लगा है। फिशिंग साइट्स के डिजाइन, टेक्स्ट और सिक्योरिटी अलर्ट मैसेज इतने रियल नजर आते हैं कि यूजर को असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। जैसे ही यूजर पासवर्ड रीसेट, डिलीवरी अपडेट या बैंक वेरिफिकेशन जैसे मैसेज पर क्लिक करता है, उसे नकली फॉर्म भरने को कहा जाता है। और उसी वक्त उसकी ईमेल आईडी, बैंक डिटेल्स या अन्य संवेदनशील जानकारी साइबर ठगों के हाथ लग जाती है।

इन बढ़ते साइबर स्कैम्स से बचने का सबसे अच्छा तरीका है सतर्कता और जांच-पड़ताल। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी URL जरूर देखें। वेबसाइट हमेशा https से शुरू होनी चाहिए और उसका डोमेन असली संस्था से मेल खाना चाहिए। साथ ही, अपने सभी अकाउंट्स में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) ऑन रखें। इससे पासवर्ड लीक होने के बाद भी अकाउंट सुरक्षित रहेगा। इसके अलावा, अपने ब्राउजर और सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करते रहें। किसी संदिग्ध ईमेल या वेबसाइट को देखते ही तुरंत CERT-In या संबंधित कंपनी को रिपोर्ट करें।

### 10 साल बाद ऐसा, धीरे-धीरे बढ़ेगी ठंड, खेती में फायदा

# राजगढ़ 13.5 डिग्री तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा जिला बना, रिकॉर्ड टूटा

**राजगढ़, दोपहर मेट्रो**

प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है। शनिवार को राजगढ़ जिला मध्यप्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा। यहां ठंड ने दस साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहां सबसे कम 13.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। यह तापमान पचमढ़ी से भी कम है। अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री दर्ज किया गया। जिले की राते ठंडी हो गई है। इस बार के बारिश के सीजन में औसत से करीब 388 मिमी से अधिक बारिश इस बार तुई है, इसी कारण ठंड शुरुआती समय से ही अपनी उपस्तिथि दर्ज करवाने लगी है। सुबह ठंडी होने लगी है और रात में भी ठंडक बढ़ गई है।

10 साल में यह पहला मौका है जब तापमान इतना कम हुआ है। इससे पहले 11 अक्टूबर 2020 में तापमान 19.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था, जो कम माना जा रहा था। अभी तक बदले मौसम के मिजाज के कारण लोगों की सेहत भी खराब हो रही है और खेती-बाड़ी में फायदा भी हो रहा है। आगे भी धीरे-धीरे ठंड के बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

बदलते मौसम से भले ही लोग बीमार पड़ रहे हो लेकिन खेती-किसानी के लिए यह बेहतर समय है। खेतों में हाल में ती होती रही बारिश का असर दिख रहा है। नमी पहले से मौजूद रहे, जिसके कारण रबी के दौरान बाई जाने वाली फसलों को फायदा मिलेगा। ठंडक और नमी रहने से एक बार की सिचाई का काम खेत कर देते हैं। जिससे खासकर सरसों, मसूर, धनिया, गेहूं को फायदा मिल जाता है। फिलहाल खेतों में बारिश वाली नमी बरकरार है। कृषि वैज्ञानिकों की सलाह है कि इसी नमी में किसान भाई रबी के सीजन की फसलों की बोवनी कर सकते हैं।

## मौसम बदलते ही बीमार पड़ रहे लोग

अचानक बदले मौसम का सीधा असर सेहत पर पड़ रहा है। बच्चे और बुजुर्ग खासकर बीमार पड़ रहे है। रूटीन ओपीडी में बच्चों की संख्या में इजाफा हुआ है। जिला अस्पताल की ओपोडी में करीब 200 बच्चों की एंट्री हो रही है, इससे पहले आम तौर पर 100 के भीतर ही बीमार बच्चे पहुंचते थे। वहीं, बुजुर्गों की संख्या भी अधिक है। यहां करीब 300 से अधिक 50 से अधिक आयु के बुजुर्ग पहुंच रहे है। कुल ओपीडी 600 के पार पहुंच गई है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. चंदा दांगी का कहना है कि वायरल की चपेट में पहले से ही बच्चे है। चिकित्सकीय सलाह ली जाना चाहिए।

अगले 2-3 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों के शेष भागों, पश्चिम बंगाल, सिक्किम्, ओडिशा और तेलंगाना के कुछ भागों से दक्षिणी-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। इसका असर है कि मौसमी गतिविधियां और बढ़ सकती हैं। भोपाल मौसम विज्ञान केंद्र की पूर्वानुमान अधिकारी डॉ. दिव्या है. सुरेंद्रन के अनुसार आगामी सप्ताहभर के भीतर ठंडक और बढ़ सकती है। इस बार बारिश लंबे समय तक रहने के कारण ऐसी स्थितियां बन रही हैं। दिवाली तक ठंड और तेज होने की पूरी संभावना है।

## नजूल लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया ठप

**नर्मदापुरम।** नगर में नजूल भूमि पर दी गई लीज के नवीनीकरण की प्रक्रिया लंबे समय से ठप पड़ी है। नगर के हजारों परिवार इससे सीधे प्रभावित हो रहे हैं। भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. अखिलेश खंडेलवाल ने इस गंभीर समस्या के सामने आने के बाद मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री, प्रमुख सचिव (राजस्व), कमिश्नर और कलेक्टर नर्मदापुरम को तत्काल हस्तक्षेप के लिए पत्र लिखा है। नजूल लीज नवीनीकरण में आ रहीं मुख्य दिक्कतें डॉ. खंडेलवाल ने पत्र में कहा है कि नागरिक वर्षों से सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ नवीनीकरण आवेदन कर रहे हैं, लेकिन संबंधित विभागों में कार्रवाई बेहद धीमी और जटिल है। इसके कारण नामांतरण, भवन निर्माण अनुमति, बैंक ऋण जैसे जरूरी कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। इसकी मुख्य वजह ऑनलाइन प्रणाली में बार-बार तकनीकी त्रुटियाँ, भूमि अभिलेख और नगरपालिका रेकॉर्ड में असंगति, अधिकारियों की ओर से स्पष्ट दिशा-निर्देशों का अभाव, वर्षों से लंबित प्रकरणों का ढेर, प्राकृतिक आपदाओं में दस्तावेज नष्ट हो जाना, सुगम और पारदर्शी प्रक्रिया की मांग है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं और विशेष अभियान चलाकर लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण किया जाए।

## गुप्ता ग्राउंड में लगेगा फटाखा बाजार

**नर्मदापुरम।** नगरपालिका द्वारा गुप्ता ग्राउंड में फटाखा बाजार लगाया जा रहा है। जिसका निरीक्षण शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट ब्रजेंद्र रावत और एसडीओपी जितेंद्र कुमार पाठक द्वारा किया गया। साथ ही सुरक्षा संबंधित विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में गुप्ता ग्राउंड में फटाखा बाजार लगाने की व्यवस्था की जा रही है। शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीओपी द्वारा निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरे लगाने, दमकल चौबीस घंटे रखने तथा यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बनाए जाने वाले गलियारों में किसी प्रकार से दुकान न लगे इस बात का भी ध्यान रखा जाए। सुरक्षा की दृष्टि फटाखा बाजार में पार्किंग स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सिटी कोतवाली टीआई कंचन ठाकुर, नगरपालिका का अमला और पुलिस बल मौजूद रहा।

## संघ के शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन

**नर्मदापुरम।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नगर में भव्य पथ संचलन का आयोजन हुआ। सुबह एसएनजी स्कूल मैदान में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में एकत्र हुए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में समर्थ दादा गुरु भैयाजी सरकार ने उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित किया। एसएनजी मैदान से प्रारंभ हुआ पथ संचलन नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। मार्ग में जगह-जगह नागरिकों और समाजसेवी संस्थाओं ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पूरे संचलन में अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में संघ की प्रार्थना और घोष के साथ आयोजन का समापन हुआ।

## चेन स्नैचिंग के आरोपी को दबोचा, दो साथी फरार

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

नर्मदापुरम में हुई दो चेन स्नैचिंग की घटनाओं का नर्मदापुरम पुलिस ने खुलासा कर दिया है।कोतवाली ओर देहात थाना पुलिस टीम ने एक आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार किया है, जबकि उसके दो साथी अब भी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपी नाबालिग है और उसके पास से सोने की चेन, मंगलसूत्र का पैंडल तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

1 अक्टूबर 2025 को शहर में लगातार दो महिलाओं से चेन झपटने की घटनाएं सामने आई थीं। पहली घटना देहात थाना क्षेत्र के विनायक कॉम्प्लेक्स हरदा बायपास रोड पर हुई, जहां तीन नकाबपोश युवकों ने स्कूटी पर जा रही महिला सोनिया चौरे के गले से सोने की चेन झपट ली। दूसरी घटना शाम को

कोतवाली क्षेत्र के जिला अस्पताल तिराहे के पास हुई, जहाँ मोनिका उमरिया के गले से तीन युवकों ने सोने के मंगलसूत्र का पैंडल झपट लिया और फरार हो गए। दोनों ही मामलों में अज्ञात युवकों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन और एसडीओपी जितेंद्र कुमार पाठक के नेतृत्व में थाना कोतवाली एवं थाना देहात की संयुक्त टीम का गठन किया गया। पुलिस ने इटारसी, बुदनी, बरखेड़ा, ओबेदुल्लागंज, मंडीदीप, मिसरोद और भोपाल तक लगभग 500 फुटेज खंगाले। इसी दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल और बदमाशों के फुटेज भी मिले।

## नकली उर्वरक विक्रेताओं पर कार्रवाई, एफआइआर दर्ज

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

जिले में कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर कृषि विभाग ने नकली और अमानत उर्वरक बेचने वाले विक्रेताओं के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। इटारसी के चौरे ब्रदर्स और सिवनी मालवा के शुभ एग्रो के खिलाफ नकली जिंक सल्फेट उर्वरक रखने व बेचने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में उर्वरकों में पोषक तत्वों की मात्रा निर्माता कंपनी द्वारा दिए गए स्तर से कम पाई गई। उपसंचालक कृषि ने इन उर्वरकों के भंडारण, विक्रय और परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया है। किसानों से विभाग ने किसी भी तरह की धोखाधड़ी की सूचना देने की अपील की है।

## अवैध पटाखा-बारूद भंडारण पर करें सख्त कार्रवाई: कलेक्टर

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

आगामी त्योहारों और पर्वों के मद्देनज़र कलेक्टर सोनिया मीना ने समस्त एसडीएम को कड़े निर्देश दिए हैं ताकि जिले में कानून व्यवस्था और शांति बनी रहे। उन्होंने अवैध पटाखा और बारूद भंडारण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, पटाखा लाइसेंस की शीघ्र जांच, नियमानुसार पटाखा दुकानों की स्थापना, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध बारूद और पटाखा भंडारण की सघन जांच करें तथा घनी आबादी वाले इलाकों में विशेष निरीक्षण कर अवैध दुकानदारों पर तत्काल कार्रवाई करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पटाखा दुकानें केवल निर्धारित स्थानों पर ही लगानी होंगी और अन्यत्र पटाखा

विक्रय को पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा।कलेक्टर ने आपातकालीन सेवाओं को 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश देते हुए उन्होंने स्वास्थ्य अमले को सजग रहने, आवश्यक दवाओं, बर्न यूनिट और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही आगजनी जैसी आपदाओं से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड एवं अग्निशमन उपकरण भी पर्याप्त मात्रा में तैनात रखे जाएंगे। कलेक्टर ने सभी एसडीएम से कहा कि वे क्षेत्रीय पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार भ्रमण करें और कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करें ताकि किसी भी अनुभाग में शांति व्यवस्था में विघ्न न पड़े।

## हत्याकांड का खुलासा: प्रेमी ने ही युवती की गला दबाकर की थी हत्या, गिरफ्तार

**औबेदुल्लागंज, अमित श्रीवास्तव**

रायसेन पुलिस ने औबेदुल्लागंज क्षेत्र में मिली युवती के हत्याकांड का खुलासा महज कुछ घंटों में कर दिया है। थाना औबेदुल्लागंज के बरखेड़ा क्षेत्र में स्टॉप डैम के पास 9 अक्टूबर को एक अज्ञात महिला का शव रक्तरंजित अवस्था में मिला था, जिसके सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में युवती की हत्या कर शव को फेंके जाने की बात सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रायसेन पंकज कुमार पांडे के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई, जिसमें एएसपी कमलेश कुमार खरपूसे, एसडीओपी औबेदुल्लागंज श्रीमती शीला सुराणा, एवं थाना प्रभारी बी.पी. सिंह सहित साइबर और तकनीकी टीम

शामिल थी। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई। जांच के दौरान मृतका की पहचान थाना शाहगंज क्षेत्र की लापता महिला के रूप में हुई। मृतका के परिजनों ने दीपक गौर उर्फ़ जस्सी, निवासी शाहगंज, पर हत्या का संदेह व्यक्त किया। आरोपी दीपक गौर को शाहगंज पुलिस की मदद से हिरासत में लिया गया। गहन पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि मृतका के साथ उसके प्रेम संबंध थे और विवाह के दबाव के चलते उसने उसे मोटरसाइकिल से बरखेड़ा जंगल ले जाकर स्टॉप डैम के पास गला दबाकर हत्या कर दी, तथा पहचान छिपाने के लिए सिर पर पत्थर पटककर चोट पहुंचाई। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

## पुलिस की बर्बरता से व्यक्ति की मौत

**अशोकनगर।** जिले के बमूरिया गांव से पुलिस की बर्बरता का मामला सामने आने के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। उन्होंने छह घंटे तक गुना-अशोकनगर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर आवागमन ठप कर दिया। मृतक के बेटे और परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद पुलिस अफसर बैकफुट पर आ गए। कलेक्टर ने मजिस्ट्रियल जांच की घोषणा की और एसपी ने टीआई को लाइन अटैच और चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। पुलिसकर्मियों की इस करतूत से ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 17 अक्टूबर तक दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं हुआ तो वे बड़ा आआंदोलन करेंगे। बमूरिया निवासी 50 वर्षीय लखन यादव की पुलिस पिटाई से मौत होने के बाद मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने लखन को पीट-पीटकर मार डाला। पहले उसे दौड़ा दौड़ाकर पीटा, फिर तालाब में डुबाकर मार डाला। उन्होंने बताया कि गुरुवार रात 8 बजे करीब आठ पुलिस जवान गांव पहुंचे, जिनमें कुछ वर्दी में तो कुछ सादा कपड़ों में थे। जिन्होंने ग्रामीणों को पीटना शुरू कर दिया, लोग जान बचाकर भागे। परिजनों का आरोप है कि लखन यादव भी भागा पुलिस ने उसे पकड़ पीटा व तालाब में डुबाकर मार डाला।

**मेट्रो एंकर**

### बड़वाह के ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में लगा विधिक साक्षरता शिविर

# विद्यार्थियों को बताए 'गुड टच-बैड टच' और पॉक्सो एक्ट के अधिकार

**मनोज गौड़, खरगौन**

बड़वाह में मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देश पर तहसील बड़वाह क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण स्कूलों में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंडलेश्वर की न्यायाधीश एवं सचिव प्रीति जैन ने बच्चों को कानून और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। न्यायाधीश जैन ने शासकीय प्राथमिक विद्यालय लोंदी बी, शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालय लखनपुर, जगतपुरा, बरझर और सोरठ बारूल के शासकीय माध्यमिक/प्राथमिक विद्यालयों में अलग-अलग शिविरों को संबोधित किया।

शिविर में न्यायाधीश प्रीति जैन ने उपस्थित बालक-बालिकाओं को पोक्सो एक्ट के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों को समझाया कि अगर उनके साथ

कोई गलत हरकत होती है, तो उन्हें डरना नहीं चाहिए, बल्कि तुरंत आवाज़ उठानी चाहिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि पोक्सो एक्ट के तहत उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। न्यायाधीश जैन ने बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा, ÷अगर कोई भी अनजान व्यक्ति या परिवार का सदस्य आपके शरीर के किसी अंग को गलत तरीके से छूता है, तो चुप रहने की बजाय तुरंत चिल्लाएँ। कानून आपकी पूरी मदद करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि अगर बलात्कार जैसी कोई घटना होती है, तो सरकार द्वारा 2 लाख रुपये की सहायता दी जाती है और पीड़ित का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाता है।

### साइबर अपराध और अनुशासन पर मार्गदर्शन

बच्चों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में भी बताया गया, जैसे मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ना। उन्होंने आगाह किया कि किसी भी व्यक्ति को गलत संदेश या फोटो भेजना साइबर अपराध है। न्यायाधीश जैन ने बच्चों से कहा कि जितना सहेंगे, गलत करने वाला व्यक्ति उतना ही गलत करता जाएगा, इसलिए कुछ भी गलत होने पर माता-पिता को अवश्य बताएं। इसके साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन के महत्व से परिचित कराया और कहा कि अनुशासित रहकर ही वे अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर बीईओ रेवाराम वर्मा, पैरालीगल वालंटियर अंजली कर्मा, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक और समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

## गुना में एक ही प्रसाद घर का दो बार हुआ लोकार्पण, कार्यक्रम बना कॉमेडी शो

**गुना, दोपहर मेट्रो**

भाजपा में गुटबाजी दिनों-दिन बढ़ती नजर आ रही है। इससे विकास के साथ-साथ हास्यास्पद घटनाक्रम देखने को मिल रहे है। ऐसा ही एक नजारा शनिवार को उस समय देखने को मिला, जब गुना शहर के जज्जी बस स्टेंड पर नवनिर्मित दीनदयाल प्रसाद घर के लोकार्पण हो रहा था। इसके लोकार्पण समारोह में पहले गुना कलेक्टर किशोर कन्याल ने प्रशासनिक अधिकारियों और भाजपा नेता की मौजूदगी में फीटा काटा। कलेक्टर फीता काटने से पहले नपाध्यक्ष सविता गुप्ता के आने का इंतजार करते रहे थे। इसी बीच नपाध्यक्ष सविता गुप्ता अपने समर्थक पार्षदों के साथ मौके पर पहुंचीं। उनके आगमन के बाद फिर से एक नया फीता लगाया गया और लोकार्पण की दूसरी पारी की तैयारी शुरू हो गई। जबकि उस समय कलेक्टर और एसपी पहले से ही अंदर मौजूद थे। थोड़ी देर बाद पार्षदों और नपाध्यक्ष की ओर से आग्रह किया गया कि कलेक्टर फिर से लोकार्पण करें। नतीजा ये हुआ कि एक ही रसोई का दूसरा बार उद्घाटन हुआ, हालांकि इस बार कैची नपाध्यक्ष सविता गुप्ता के हाथ में थी।

# अस्पताल के टॉयलेट में मिली डेड बॉडी

टीकमगढ़, दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक अज्ञात व्यक्ति का शव शौचालय में मिला। सूचना मिलने पर डॉक्टरों की टीम और स्वास्थ्य विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इस घटना के बाद से अस्पताल में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। दरअसल, जिला अस्पताल में बने ट्रामा सेंटर के पास शौचालय में एक शख्स का शव मिला है। उसकी पहचान अस्पताल में लोगों से कराई गई लेकिन किसी ने पहचान नहीं की। पूरे अस्पताल में परिजनों से पूछताछ की गई कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने डॉक्टरों और वार्ड बॉय की मदद से शव को शौचालय से बाहर निकालवाया और उसे पोस्टमार्टम और शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस मृतक की पहचान करने और घटना की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही लाश की पहचान करा ली जाएगी। इसके बारे में जांच की जा रही है कि शख्स की मौत कैसे हुई। पोस्टमार्टम के बाद ही खुलासा होगा।

## उपचार कराने आया था, शौचालय में हो गई मौत

सिविल सर्जन डॉक्टर अमित शुक्ला ने बताया कि मृतक चेकअप कराने अस्पताल आया था। इसी दौरान वह टॉयलेट गया और वहीं पर उसकी मौत हो गई। पीएम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण पता चल सकेगा। फिलहाल उसका शव पहचान के लिए सुरक्षित रखा गया है। कोतवाली पुलिस को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

### इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना

# युवक को 'मीम पर सजा.. पांव धुलवाकर वही पानी पिलाया

दमोह , दोपहर मेट्रो

जिले के पटेरा ब्लॉक के सतरिया गांव से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने इंसानियत और सामाजिक व्यवस्था दोनों को शर्मसार कर दिया है। यहां एक मीम बनाने की सजा में एक युवक से पैर धुलवाकर वही पानी पीने को मजबूर किया गया।

कैसे शुरू हुआ विवाद- दरअसल, गांव के परषोत्तम कुशवाहा ने कुछ दिन पहले अन्नू पांडे का एक मीम इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। उस मीम में एआई तकनीक की मदद से अन्नू को जूते की माला पहने हुए दिखाया गया था। इधर, पोस्ट वायरल होते ही गांव में बवाल मच गया। विवाद बढऩे के डर से परषोत्तम ने 15 मिनट में मीम डिलीट कर दिया और सार्वजनिक माफी भी मांगी, लेकिन मामला यहीं नहीं रुका।

गांव की पंचायत ने बना दी जातीय सजा

अन्नू पांडे और आसपास के कुछ लोगों ने इसे ब्राह्मण समाज का अपमान बताकर पंचायत बुलाई। पंचायत में परषोत्तम से पांव धुलवाकर वही पानी पीने को कहा गया और 5100 रुपए अर्थदंड भी वसूला गया।

बताया गया है कि सतरिया गांव में शराबबंदी लागू थी। लेकिन, अन्नू पांडे, जो शराब बेचता था पर शराब बेचने के आरोप में पहले गांव वालों ने ही 2100 रुपए का जुर्माना और सार्वजनिक माफी की सजा दी थी। इधर, इसी घटना पर परषोत्तम ने एआई तकनीक से मीम बनाया था, जिसमें अन्नू को जूता की माला पहनाई जाना दिखाया गया, हालांकि इस पोस्ट के जारी होने के कुछ ही मिनटों बाद डिलीट भी कर दिया गया था।

## शिकायत नहीं आने नहीं हुई कार्रवाई

पटेरा थाना प्रभारी सरोज सिंह ने बताया कि जो कृत्य हुआ है उसका वीडियो संज्ञान में आया है, लेकिन इस घटना की शिकायत करने कोई आगे नहीं आ रहा है। यही वजह है कि इस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। दमोह एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि मैं इस घटनाक्रम का पता करता हूं। जिस तरह की बात सामने आई है यह काफी गंभीर है, इस पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# बुंदेलखंड... धरोहरों, विकास और जन आस्था की नई धड़कन

बुंदेलखंड, देश की वह धरा , जहाँ मिट्टी में इतिहास की गंध है, पत्थरों में आस्था की छाप, और लोगों के चेहरे पर जीवन की जिद है । खुदाई में निकली मूर्तियों की सांस्कृतिक चमक, शहरों में उठते फ्लाईओवरों की रफ्तार, मंदिरों में उमड़ते विश्वास की लहरें और जनजीवन के विकास की आकांक्षाएं सभी एक साथ उमड़ती हुई प्रतीत होने लगी हैं।

## दमोह धरती के गर्भ से उभरा इतिहास

दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम दौनी में पठादो की पहाड़ी पर पिछले एक साल से चल रही पुरातात्विक खुदाई ने इतिहास की परतें खोल दी हैं। कलचुरी काल (10वीं-11वीं शताब्दी) की ब्रह्मा, विष्णु, शिव, उमा-महेश्वर, अर्धनारीश्वर, पार्वती और वायुदेव जैसी अद्भुत मूर्तियां मिली हैं। इन प्रतिमाओं की कला और प्रतीकात्मकता इस क्षेत्र के उस गौरवशाली युग की कहानी कहती है जब बुंदेलखंड धार्मिक और सांस्कृतिक उत्कर्ष का केंद्र था। गांव के पास स्थित सिद्ध हनुमान मठ आज भी आस्था का जीवंत केंद्र बना हुआ है, जहां लोगों का विश्वास है कि हनुमान जी की मूर्ति का एक पैर पाताल लोक तक जाता है। इस लोककथा और खुदाई में मिले प्रमाण दोनों मिलकर बुंदेलखंड की मिट्टी की गहराई दिखाते हैं जहाँ इतिहास और श्रद्धा एक ही धारा में बहती हैं।

**बुंदेलखंड की डायरी**
रवीन्द्र व्यास

## टीकमगढ़: आधुनिकता की ओर एक पुल

धरोहरों के इस अंचल में अब विकास की रफ्तार भी जोड़ ली गई है। टीकमगढ़ शहर को पहला फ्लाईओवर मिलने जा रहा है चकरा तिराहा से सिंधी धर्मशाला तक 1.5 किमी लंबा पुल, जिसकी लागत लगभग 150 करोड़ रुपये होगी। यह परियोजना बुंदेलखंड की शहरी सोच की झलक है जहाँ भीड़भाड़ और पुरानी सड़कों के बीच से निकल कर आधुनिक यातायात व्यवस्था की तस्वीर बन रही है। ब्रिज कॉर्पोरेशन के इस प्रस्ताव से उम्मीद है कि सिविल लाइन से लेकर बाजार क्षेत्र तक की जाम से त्रस्त जनता को राहत मिलेगी। यह सिर्फ एक फ्लाईओवर नहीं, बल्कि छोटे शहरों की बढ़ती आकांक्षा और आत्मनिर्भर संरचना का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

## ओरछा: आस्था और पर्यटन का संगम

ओरछा, जहां श्री राम राजा की नगरी बसी है, अब श्री राम राजा लोक के रूप में नवसृजन की दिशा में बढ़ रही है। पर्यटन विभाग ने इसे पी पी पी मोड में विकसित करने के लिए डालमिया समूह के साथ समझौता प्रक्रिया शुरू की है। 12 एकड़ में बनने वाले इस परियोजना में म्यूजियम, लाइट एंड साउंड शो और सांस्कृतिक स्थलों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। बुंदेला राजवंश के इतिहास से लेकर स्वतंत्रता सेनानियों तक की कथाओं को संग्रहालयों में दर्ज करने की योजना है। यह प्रयास बुंदेलखंड की पहचान को आधुनिक पर्यटन के नक्शे पर नयी ऊंचाई देगा जहाँ विरासत का संवर्धन और आर्थिक जीवंतता, साथ जुड़े हों।

**मेले में झूमती परंपरा:** छतरपुर का मेला जलविहार 2025 इस बार फिर बुंदेलखंड की जीवंत आत्मा बनकर लौटा है। नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित यह 10-दिवसीय उत्सव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोक संस्कृति की पुनर्दृष्टि है। स्कूलों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लेकर आल्हा गायन, लोकगीत, भजन, कवि सम्मेलन, राई नृत्य, बैंड नाइट और मुशायरा जैसे आयोजनों से यह मेला बुंदेलखंड की सांगीतिक और काव्य परंपरा को नई ऊर्जा देता है। मेला परिसर में सर्कस, मीना बाजार और लोक व्यंजन स्थानीय कारीगरों और व्यवसायियों के लिए भी नई उम्मीदें लेकर आए हैं। यह आयोजन बताता है कि बुंदेलखंड न सिर्फ इतिहास की धरोहर है–बल्कि वह आज भी जीती-जागती संस्कृति में सांस लेता है।

**विश्वास का जल स्रोत:** सागर जिले के पास नोनिया-सेसई के जंगल में निकली चमत्कारी बावड़ी ने पूरे बुंदेलखंड को कौतूहल में डाल दिया है। ग्रामीणों का दावा है कि इस बावड़ी के जल से असाध्य रोग ठीक हो रहे हैं। लोगों की भीड़ पूजा अर्चना और श्रद्धा का माहौल दिखाता है कि आस्था अब भी इस भूमि की जड़ों में बसी है। वन विभाग के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों बन गया है एक तरफ वन संपदा पर दबाव है, तो दूसरी ओर धार्मिक पर्यटन की संभावना। विज्ञान चाहे जो कहे, पर जनविश्वास बुंदेलखंड को उसकी सांस्कृतिक निरंतरता से जोड़े रखता है।

**शासन और संकल्प का केंद्र:** उत्तर प्रदेश के हिस्से में आने वाला झांसी, बुंदेलखंड के प्रशासनिक और राजनीतिक नेतृत्व का प्रमुख केंद्र है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हालिया समीक्षा बैठक में बिजली चोरी पर अंकुश, महिला सुरक्षा, कचरा निस्तारण, अतिवृष्टि राहत और औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। स्थानीय नागरिकों ने सड़क सुधार, बिजली और सफाई पर फोकस की सराहना की, जबकि विपक्षी दल जमीन पर अमल की रफ्तार पर सवाल उठा रहे हैं। विश्लेषकों के अनुसार, योगी सरकार की योजनाओं से बुंदेलखंड का नगरीय ढांचा मजबूत हो सकता है।

**अतीत और भविष्य का संगम:** अक्टूबर 2025 का बुंदेलखंड एक ऐसी भूमि है जो एक साथ कई कालों में जी रही है 7 दमोह की खुदाई अतीत की जड़ों को खोज रही है,ओरछा और छतरपुर संस्कृति को आधुनिक पर्यटन में बदल रहे हैं,टीकमगढ़ और झांसी विकास का ढांचा खड़ा कर रहे हैं,जबकि सागर की बावड़ी श्रद्धा की लहर उठाए हुए है। यह वही बुंदेलखंड है जो अपनी धरोहर संभालते हुए, विकास और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहा है।

# 10 माह के अर्जित अवकाश एवं एरियर्स के लिए चक्कर काट रहा सेवानिवृत्त कर्मी

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में निवास करने बाले सेवानेवृत मोहन लाल साहू 10 माह का अर्जित अवकाश एवं समयमान वेतन का एरियर्स राशि प्राप्त करने के लिए कलेक्टर सहित संबंधित अधिकारियों को अनेक आवेदन देकर चक्कर लगाकर परेशान हो रहे है। लेकिन अधिकारियों की मनमानी के चलत मोहन लाल साहू को राशि प्रदान नहीं की जा रही है। मोहन लाल साहू ने आयुक्त, संचालक, कलेक्टर को दिए गए आवेदन में उल्लेख किया है कि मै नगर परिषद पटेरा तहसील हटा जिला दमोह में राजस्व उप राजस्व निरीक्षक के पद पर कार्यरत रहते हुए 30 जून 2024 तक सेवाएं दी हैं। 10 माह का अर्जित अवकाश राशि 673060 रूप्ए तथा समयमान वेतनमान का एरियर्स राशि लगभग 4 लाख रूपए कुल राशि 10 लाख 73 हजार 800 रुपये होना था। लेकिन अभी तक भुगतान नही हुआ है। मै अपने भुगतान के लिए होना था। लगभग एक वर्ष से कलेक्ट्रेट दमोह एवं नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद पटेरा के चक्कर लगा रहा हूं। इसके अलावा 03 दिसम्बर 2024 को एसडीएम हटा को अपनी समस्या बताई तो उन्होंने भी नगर पालिका अधिकारी पटेरा से बात की। तब नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद पटेरा ने 2 लाख रुपये मुझे दिए, और मुझसे कहते हैं कि तुम्हें जो दिखे कर लो। इसके अलावा कलेक्टर दमोह ने मामले का संज्ञान लेते हुए नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद पटेरा को एवं एसडीएम हटा को भुगतान कराने के लिए कहा तो नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद पटेरा ने 50-50 हजार तीन किश्तें दी गई थी। ऐसे कुल 3 लाख रूपए प्राप्त हुए है।

### गुजरात की आर्किटेक्ट टीम ने किया निरीक्षण, हटेगा अतिक्रमण

# भोपाल चौराहे का सौंदर्यीकरण का कार्य जारी, मां नर्मदा की लगेगी प्रतिमा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गत दिवस भोपाल चौराहे का गुजरात की आर्किटेक्ट टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के ईई द्वारा दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नपा के उपयंत्री अंबक पाराशर, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे और आर्किटेक्ट एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

उपयंत्री श्री पाराशर ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के नेतृत्व में भोपाल चौराहे का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। शुक्रवार को गुजरात की आर्किटेक्ट टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। नपा द्वारा सर्वे एजेंसी को 15 दिवस के अंदर ड्राइंग सम्मिट करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही लोक निर्माण विभाग द्वारा एनओसी और ड्राइंग प्राप्त होने के बाद नपा द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि यह कार्य नवंबर माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। ध्यान रहे कि नगर विकास को लेकर नपाध्यक्ष श्रीमती यादव की विशेष रूचि के चलते अभी तक मीनाक्षी चौक का, नर्मदा महाविद्यालय चौराहे और उसकी क्रम को आगे बढ़ते हुए भोपाल चौराहे का सौंदर्यीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। साथ ही भोपाल चौराहे पर मां नर्मदा की भव्य प्रतिमा लगाई जाएगी। जिससे नर्मदापुरम् नगर नए लुक में दिखने लगेगा।

# सड़क हादसे में आरएसएस के विभाग कार्यवाह व उनकी पत्नी की मौत

## हाइवे पर तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को मारी टक्कर

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले में हुए एक सड़क हादसे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग कार्यवाह अशोक दुबे और उनकी पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सुरखी थाना तहत नेशनल हाईवे पर तब हुई जब एक तेज रफ्तार डंपर ने दुबे की बाईक को टक्कर मार दी. राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर स्थित सुरखी बायपास के पास शनिवार सुबह अशोक पत्नी राधा के साथ बाइक से अपने पैतृक गांव नाहरमऊ जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मारी और कुचलते हुए आगे बढ़ गया। डंपर के पहिए उनकी पत्नी के शरीर के ऊपर से गुजर गए महिला के शवको पोटली में उठाना पड़ा। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर भाग गया है।

सूचना पर मौके पर पहुंची सुरखी पुलिस ने शव के टुकड़ों को एकत्रित कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मामले में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार आरएसएस सागर विभाग के विभाग कार्यवाह अशोक कुमार दुबे पिता रमेश कुमार दुबे 45 अपनी पत्नी राधा दुबे 41 के साथ बाइक से अपने पैतृक गांव नाहरमऊ जा रहे थे। 9:30 बजे नाहरमऊ के लिए निकले। बताया जा रहा है कि दुबे करवा चौथ मनाकर लौट रहे थे। मृतक अशोक कुमार दुबे शासकीय शिक्षक थे।

सुरखी बायपास पर जैसे ही वह निर्माणाधीन अंडरब्रिज के नीचे पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पति-पत्नी उछलकर सड़क पर जा गिरे और उनकी बाइक डंपर के नीचे फंस गई। डंपर अशोक दुबे के पैर को कुचलते हुए आगे निकला और उनकी पत्नी के शरीर के ऊपर से दोनों पहिए निकल गए। जिससे महिला के शव के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। थाना प्रभारी रामू प्रजापति ने बताया सुरखी बाइक सवारों को कुचलने वाला डंपर हरियाणा का है, डंपर में राखड़ भरी हुई है। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है, लेकिन उसका चालक हादसे के बाद से फरार है। पुलिस आरोपी चालक को तलाश कर रही है।

# बागेश्वर धाम प्रमुख पं. धीरेन्द्र शास्त्री को कोर्ट से बड़ी राहत

शहडोल, दोपहर मेट्रो

छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेन्द्र शास्त्री को कोर्ट से एक बड़ी राहत मिली है। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ दायर पर सुनवाई करने से शहडोल कोर्ट ने सुनवाई से इंकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया है। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने और आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर शहडोल कोर्ट में परिवाद दायर किया गया था। हालांकि कोर्ट ने परिवाद को प्रथम दृष्टया अपराध प्रमाणित न होने पर खारिज कर दिया। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ संदीप तिवारी ने शहडोल कोर्ट में परिवाद दायर किया था। इस परिवार में आरोप लगाया गया था कि प्रयागराज महाकुंभ के दौरान धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा था कि 'जो महाकुंभ में नहीं आएगा, वह पछताएगा और देशद्रोही कहलाएगा।' परिवादी ने इसे असंवैधानिक, आपत्तिजनक और भड़काऊ बताते हुए भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 196, 197(2), 299, 352, 353 और आईटी एक्ट की धारा 66, 67 के तहत कार्रवाई की मांग की थी। न्यायिक मजिस्ट्रेट सीताशरण यादव की अदालत ने मामले की सुनवाई हुई इस दौरान कथावाचक पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की ओर से अधिवक्ता समीर अग्रवाल ने न्यायालय के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया कि कथावाचक के माध्यम से कोई ऐसे शब्द नहीं कहे गए थे, जिससे परिवादी आहत होता हो या किसी का भी अपमान होता हो। उनके बयान किसी वर्ग को उकसाने वाले, अमर्यादित अथवा भडक़ाऊ नहीं थे।

**मेट्रो एंकर**

### प्रदेश के देवास जिले के रहने वाले संजय मीणा शहीद

# तीन दिन बर्फ में दबा रहा सेना का जवान, रेस्क्यू के बाद डॉक्टरों ने भी मान ली हार, शव पहुंचा घर तो पूरा गांव रो पड़ा

देवास, दोपहर मेट्रो

जिले के संवरसी गांव के नायक संजय मीणा उत्तराखंड में देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए। वे गश्त के दौरान हुए सतोपंथ हिल में एक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचा तो पूरे इलाके के लोगों की आंखें नम हो गईं। गांव की गलियों में %संजय मीणा अमर रहे% के नारे गूंजे और नम आंखों से दी वीर सपूत को विदाई दी गई।

32 वर्षीय संजय मीणा हरियाणा के अंबाला यूनिट में तैनात थे। कुछ दिन पहले उत्तराखंड गए थे। 06 अक्टूबर को गश्त के दौरान स्नोफॉल में वे एक पहाड़ी इलाके में गहराई में दब गए थे। सेना के जवानों ने तीन दिनों तक बचाव अभियान चलाकर उन्हें बाहर निकाला। फिर अंबाला यूनिट वापस लाया गया। वहां पर उनका इलाज शुरू

हुई। लेकिन डॉक्टरों के अथक प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। संजय मीणा भारतीय सेना में अपनी ड्यूटी निभाते हुए देश की रक्षा में शहीद हो गए।

## दिल्ली से पैतृक गांव पहुंचा शव

शहीद संजय मीणा का पार्थिव शरीर शुक्रवार को दिल्ली लाया गया। फिर वहां से इंदौर लाया गया। शनिवार को इंदौर से सेना के वाहन से पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव संवरसी लाया गया, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

## संजय के एक बेटा और एक बेटी

नायक संजय मीणा अपने कर्तव्य के प्रति हमेशा निष्ठावान और अनुशासित रहे। उनके दो बड़े भाई भी सेना में सेवाएं दे चुके हैं। एक बड़े भाई रामप्रसाद मीणा सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि दूसरे भाई हेमन्त मीणा भी वर्तमान में सेना में कार्यरत हैं। एक भाई गांव में ही खेती करते है। शहीद संजय मीणा अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए। उनका एक बेटा और एक बेटी है। बेटे युवराज ने दाह संस्कार किया।

## गैरी कास्परोव ने विश्वनाथन आनंद को मात दी

# बोले- शायद अतीत उन पर हावी हो गया

कास्परोव ने कहा, उन्हें कुछ मानसिक परेशानी थी। पहले दिन से ही उनके लिए सब कुछ ठीक नहीं रहा। मुझे लगता है कि मेरे खिलाफ उनका स्कोर ऐतिहासिक रूप से खराब रहा है। शायद खेल के दौरान अतीत उन पर हावी हो गया। क्लच चेस के दूसरे दिन भारत के पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को गैरी कास्परोव के खिलाफ पांचवें गेम में स्पष्ट बढ़त हासिल थी, लेकिन आनंद अपने समय पर ध्यान नहीं दे पाए और अंततः समय खत्म होने के कारण मैच हार गए। यह मुकाबला रैपिड फॉर्मेट में खेला गया था।

**नई दिल्ली** । सेंट लुइस में आयोजित प्रदर्शनी प्रतियोगिता क्लच शतरंज- द लीजेंड्स में गैरी कास्परोव ने विश्वनाथन आनंद को मात दी। तीन दिन तक चली प्रतियोगिता में कास्परोव और आनंद ने फ्रीस्टाइल फॉर्मेट में 12 रैपिड और ब्लिट्ज गेम्स में हिस्सा लिया, जिसमें कास्परोव ने 13-11 से जीत दर्ज की। इस प्रतियोगिता में कैस्केडिंग प्वाइंट सिस्टम का इस्तेमाल किया गया था। पहले दिन जीतने पर एक अंक, दूसरे दिन जीतने पर दो अंक और तीसरे दिन जीतने पर तीन अंक दिए गए, जिससे कास्परोव ने दो गेम शेष रहते जीत सुनिश्चित कर ली। आनंद ने फिर आखिरी दोनों गेम अपने नाम किए। कास्परोव ने जीत के बाद सेंट लुइस शतरंज क्लब के यूट्यूब चैनल को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि आनंद को तीन दिनों तक कुछ मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

## क्या नॉटआउट थे यशस्वी जायसवाल?

# अंपायर ने जल्दबाजी में उठाई थी उंगली, मैदान पर दिखी तनातनी

**नई दिल्ली , एजेंसी**

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में जारी टेस्ट मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शानदार प्रदर्शन किया हैं। यशस्वी ने भारत की पहली पारी में 258 गेंदों का सामना करते हुए 175 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 22 चौके लगाए। 23 वर्षीय यशस्वी के पास दोहरा शतक बनाने का मौका था, लेकिन वो रन-आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल और भारतीय कप्तान शुभमन गिल के बीच कन्फ्यूजन पैदा हुआ, जिसके चलते ये विकेट गिरा। जेडन सील्स की एक फुलर लेंथ को यशस्वी ने मिड-ऑफ की तरफ खेला। यशस्वी को लगा कि यहां एक रन बनता है, जो था नहीं। यशस्वी ने रन लेने के लिए दौड़ लगाई, लेकिन शभमन गिल ने कोई संकेत नहीं दिया, जिससे कन्फ्यूजन की स्थिति पैदा हुई। बाद में यशस्वी ने क्रीज पर वापस लौटने का प्रयास किया। इसी

### काफी क्लोज था मामला

मैदानी अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने जल्दबाजी में उंगली खड़ी कर दी। हालांकि यहां पर रिचर्ड इलिंगवर्थ को तीसरे अंपायर के पास जाना चाहिए था क्योंकि मामला काफी क्लोज लग रहा था। यशस्वी जायसवाल तो निश्चित रूप से क्रीज से थोड़े बाहर थे, लेकिन वेस्टइंडीज के विकेटकीपर टेविन इमलाच से लगभग गलती हो गई थी। वेस्टइंडीज की टीम भी इस बात का इंतजार कर रही थी कि मामला तीसरे अंपायर को रेफर किया जाएगा, लेकिन अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने उंगली खड़ी कर दी थी।

## गिल के आलोचकों को गंभीर का जवाब

# हेड कोच ने कहा- उसने सबसे कठिन टेस्ट पास किया, हमने उसे फेंक दिया था गहरे समुद्र में

**नई दिल्ली , एजेंसी**

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल के आलोचकों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि वह गिल का तब तक पूरा समर्थन करेंगे, जब तक यह युवा कप्तान अपना काम ठीक से करता रहेगा। उन्होंने शुभमन गिल की कप्तानी की प्रशंसा की। गंभीर ने इस साल की शुरुआत में भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद गिल के साथ अपनी पहली बातचीत को याद किया।

टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी ने अपने सबसे कठिन टेस्ट में से एक को अच्छे अंकों के साथ पास किया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि टेस्ट कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद शुभमन गिल को अनुचित आलोचना का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान अविश्वसनीय धैर्य दिखाते हुए अपने आलोचकों को चुप करा दिया था, जिसे भारत ने 2-2 से ड्रॉ कराया था। गिल को अब रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम की कप्तानी भी सौंप दी गई है। वह इस अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों की सीरीज से टीम इंडिया के वनडे कप्तान के रूप में अपनी पारी शुरू करेंगे। बीसीसीआई शुभमन को साउथ अफ्रीका में 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए बतौर कप्तान तैयार कर रहा है। गिल ने टेस्ट टीम की कमान उस दौर में संभाली थी, जब विराट कोहली और रोहित शर्मा ने आईपीएल के बीच में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। ऑस्ट्रेलिया से उसकी सरजमीं पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारने और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-3 से व्हाइट वॉश होने के बाद, इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया काफी प्रेशर में थी।

### हमारे लिए मायने नहीं रखता यह

हेड कोच गौतम गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, मुझे याद है, पूरी बातचीत याद है। एक 25 साल के युवा को टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपते हुए, मैंने उससे एक बात साफ-साफ कह दी थी- हमने तुम्हें गहरे समुद्र में फेंक दिया है। यहां से, सिर्फ दो ही रास्ते हैं- या तो तुम डूब जाओगे या फिर एक विश्वस्तरीय तैराक बन जाओगे। मेरे लिए, इंग्लैंड में शुभमन गिल के बनाए गए 750 रन उतने मायने नहीं रखते। यह मायने रखता है कि एक 25 साल के युवा ने कप्तान के तौर पर अपनी पहली टेस्ट सीरीज में खुद को, टीम को और प्रेशर को कितनी बखूबी से संभाला।

### गिल सबसे कठिन परीक्षा में अच्छे अंकों से पास

हेड कोच गौतम गंभीर ने ओवल टेस्ट में जीत के साथ टीम इंडिया द्वारा 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबर करने के बाद गिल के साथ अपनी बातचीत को याद किया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि गिल को अपने करियर में इससे कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ेगा। चाहे वह 10 साल, 15 साल या 2 साल कप्तानी करें, लेकिन उनके लिए इंग्लैंड दौरे पर वह दो महीने का समय सबसे चुनौतीपूर्ण था। इंग्लैंड की बैटिंग यूनिट बेहद खतरनाक थी, और हमारी टीम अनुभवहीन। लेकिन शुभमन ने प्रेशर को बखूबी हैंडल किया। उसके लिए वह एक बड़ी परीक्षा थी। मुझे याद है ओवल टेस्ट के बाद, मैंने उनसे कहा था- तुम अपनी सबसे कठिन परीक्षा पास कर चुके हो। बदलाव का दौर खत्म हो गया है। अब से, चीजें आसान हो जाएंगी। गौतम गंभीर ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि उसके लिए अब चीजें आसान हो जाएंगी, क्योंकि वह इसका हकदार है। उसने बहुत आलोचना झेली है; लोगों ने उसके बारे में कई बातें कही हैं, और उनमें से कुछ अनुचित भी थीं। कभी-कभी आप किसी खिलाड़ी को उसकी क्षमता के आधार पर चुनते हैं।

# इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रनों से हराया, ब्रंट का आलराउंड प्रदर्शन

कोलंबो । महिला विश्व कप 2025 के 12वें मैच में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से हरा दिया है। श्रीलंका विश्व कप में अब तक एक भी मैच नहीं जीत सकी है। कोलंबो के आर प्रेमदासा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका को जीत के लिए 254 रन का लक्ष्य मिला था। श्रीलंका की टीम 45.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई और 89 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। श्रीलंका के लिए हसिनी परेरा ने 35, हर्षिता समरविक्रमा ने 33 और निलाक्षिका सिल्वा ने 23 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सकीं। इंग्लैंड के लिए सोफी एक्लेस्टन ने बेहतरीन गेंदबाजी की। एक्लेस्टन ने 10 ओवर में 3 मेडन फेंके और सिर्फ 17 रन देते हुए 4 विकेट झटके। कप्तान नेट सवियर ब्रंट और चार्ली डीन ने 2-2, लिंसे स्मिथ और एल्सी कैप्सी ने 1-1 विकेट लिए।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 253 रन बनाए थे। कप्तान नेट सेवियर ब्रंट के 117 गेंद पर 9

चौकों और 2 छक्कों की मदद से बनाए 117 रन की शतकीय पारी खेली थी। कप्तान के अलावा टैमी ब्यूमाउंट ने 29 गेंद पर 32, हिदर नाईट ने 47 गेंद पर 29 और चार्ली डिन ने 36 गेंद पर 19 रन बनाए। सभी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत मिलने के बाद भी अपनी पारी को बड़ा नहीं कर पाईं। नेट सेवियर ब्रंट ने एंकर भूमिका निभाई। वह नौवें विकेट के रूप में आउट हुईं। इस दौरान छोटी-छोटी साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर उन्होंने 253 तक पहुंचाया। श्रीलंका के लिए इनोका रानावीरा ने 10 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए।

# दिल्ली हाफ मैराथन का शुभारंभ उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी

नई दिल्ली। दिल्ली हाफ मैराथन के 20वें संस्करण का शुभारंभ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना करेंगे। एशिया की इस प्रमुख रोड रेस में 40,500 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित हाफ मैराथन का शुभारंभ रविवार को दिल्ली के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से होगा। इस दौड़ में कुल 260,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि होगी और दुनिया के कुछ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय और भारतीय धावक इसमें भाग लेंगे। इसके अलावा, 58 मिनट और 53 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ने वालों को बोनस भी मिलेगा। 60 मिनट से कम समय में दौड़ पूरी करने पर 2,000 अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त इनाम भी मिलेगा। भारतीय एथलीटों में, 1 घंटे 30 सेकंड का नया रिकॉर्ड बनाने वाले धावक को 2 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इस वर्ष पहली बार, तीनों रक्षा बल हाफ मैराथन श्रेणी में भाग लेंगे, जिसमें एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह (वायु सेना), लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह (थल सेना), और वाइस एडमिरल एलएस पठानिया (नौसेना) जैसे वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे।

**बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई?**

## असल जिंदगी में भी बिंदू देसाई को निगेटिव समझते थे लोग

# दूसरी ही फिल्म से लगा खलनायिका का टैग

बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी। लेकिन विटी फेस होने की वजह से उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस रोल ऑफर नहीं हुआ। अपने पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। अब परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्होंने फिल्मों का रुख किया और उनके जीजा लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसमें उनकी मदद की। बिंदू ने सबसे पहले 1962 में आई फिल्म अनपढ़ में साइड रोल किया, और वो उस वक्त 21 साल की थी। फिल्मी पर्दे पर वह फ्लॉप रहीं, लेकिन दूसरी फिल्म दो रास्ते उनके लिए लकी साबित हुई। इस फिल्म में बिंदू ने निगेटिव रोल प्ले किया। एक इंटरव्यू में बिंदू ने खुलासा किया था कि पहले वो तो निगेटिव रोल करने से कतरा रही थीं, लेकिन परिवार वालों ने कहा कि तुक्का मारने में क्या जाता है। फिल्म बनी और रिलीज हुई और फिर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बिंदू की जिंदगी बदल दी।

### पूरी तरह से निगेटिव हो गई थी इमेज

बिंदू को लगातार फिल्मों में निगेटिव रोल मिलने लगे और उनकी इमेज पूरी तरह निगेटिव हो गई। असल जिंदगी में भी लोग उन्हें पर्दे की खलनायिका की तरह हीं देखते थे। एक्ट्रेस ने खुद इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि महिलाओं को लगता था कि मैं उनके पतियों को हड़प लूंगी। बिंदू ने बताया कि मेरे पति के एक करीबी दोस्त थे और कभी-कभी उनसे बातचीत हो जाती थी, लेकिन उनकी पत्नी को ऐसा लगता था कि मैं उनके पति पर डोरे डाल रही हूंज्जबकि असल में ऐसा कुछ था ही नहीं। आज बिंदू अपने परिवार और पति के साथ मुंबई में रहती हैं और इंटरव्यू और शो में दिखती रहती हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म महबूबा में देखा गया था, जो कि 2008 में आई थी।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

# अनुपम खेर ने शेयर किया पहली ड्राइविंग का अनुभव, फैंस ने दिए मजेदार रिएक्शन

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अनुपम खेर सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा एक्टिव रहते हैं। एक्टर अपने 7.4 मिलियन फैंस के साथ रोजाना कुछ ना कुछ शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और उनके साथ ढेर सारी फोटोज भी क्लिक कराई थी, लेकिन अब उन्होंने अपना पहला ड्राइविंग वीडियो पोस्ट किया है, जहां उन्होंने अपनी ड्राइविंग स्किल और रास्तों के बारे में बात की। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे बहुत संभलकर गाड़ी चला रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि जैसे उन्होंने पहली बार खुद से ड्राइविंग की है। उनके चेहरे के पर तनाव स्पष्ट नजर आ रहा है। वीडियो पोस्ट कर अनुपम ने लिखा, मेरी पहली ड्राइविंग पोस्ट ! जय हो ! अगर आपको नहीं पता कि आप कहाँ जा रहे हैं, तो कोई भी रास्ता आपको वहाँ पहुँचा देगा।

कैप्शन से साफ है कि एक्टर पहली बार कार ड्राइव कर रहे हैं, लेकिन वे अकेले नहीं हैं, उनके साथ हरमन डिसूजा हैं। वीडियो देखकर फैंस भी अनुपम खेर का हौसला बढ़ा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ड्राइविंग के दौरान पूरा फोकस चाहिए, खेर साहब, ध्यान से चलाइए। एक अन्य यूजर ने लिखा, कहा जा रहे हो सर, मैं रास्ता बता देता हूं। इससे पहले अनुपम खेर ने अपनी चौथी किताब 'डिफरेंट बट नो लेस' का पोस्ट डाला था। एक्टर की नई किताब एक युवा ऑटिस्टिक लड़की की कहानी है, जो सभी चुनौतियों को पार कर अपनी प्रतिभा के बलबूते पर पहचान बनाती है।

**अभिनेत्री सोनम बाजवा की अपकमिंग फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का नया गाना दिल दिल दिल जल्द ही रिलीज होने वाला है। शनिवार को मेकर्स ने गाने का पोस्टर शेयर कर रिलीज की जानकारी दी। अभिनेत्री सोनम बाजवा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने का पोस्टर पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हर दीवाने की बढ़ेगी मुश्किल, जब धड़केगा दिल दिल दिल।**

# एक दीवाने की दीवानियत का नया गाना दिल दिल दिल जल्द होगा रिलीज

पोस्टर में सोनम का दिलकश अवतार देखने लायक है। वे एक ग्लैमरस ब्लैक आउटफिट में पोज दे रही हैं, जिसमें उनकी नजरों का जादू फैंस को बेकाबू कर रहा है। वहीं, बैकग्राउंड एक पार्टी एंथम जैसी वाइब्स दे रहा है, जिसे देख फैंस ये कयास लगा रहे हैं कि दिल दिल दिल एक एनर्जेटिक पार्टी एंथम होगा, जो क्लब्स और वेडिंग सीजन्स में धूम मचाएगा। फिल्म के कुछ गाने पहले रिलीज किए जा चुके हैं, जिनमें मेरा हुआ और बोल कफ्फारा शामिल हैं।

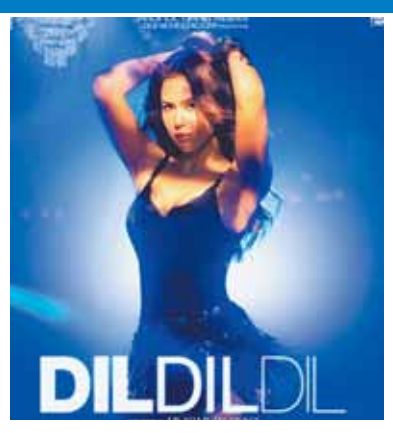


फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है। फिल्म में अभिनेता हर्षवर्धन राणे और अभिनेत्री सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं। दोनों पहली बार फिल्म में स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। वहीं, मेकर्स ने इसका ट्रेलर पहले ही रिलीज कर दिया था। इसके सह-निर्माता राघव शर्मा हैं। वहीं, इसे अंशुल गर्ग के बैनर देसी म्यूजिक फैक्टरी के तहत निर्माण किया जाएगा। वहीं, इसकी कहानी मुश्ताक शेख और मिलाप जावेरी ने मिलकर लिखी है। यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें प्यार, जुनून और दिल टूटने की एक भावुक कहानी होगी।

पहले इस फिल्म को 2 अक्टूबर को रिलीज किया जाना था, मगर बाद में इसे आगे बढ़ा दिया गया। अब ये 21 अक्टूबर को रिलीज होगी। अभिनेत्री के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज फिल्म निक्का जेलदार-4 है। सोनम बाजवा के साथ एमी विर्क मुख्य भूमिका में हैं।

## पीएम मोदी से मिले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर, तोहफा भी दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बनते-बिगड़ते रिश्तों के बीच अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने ना सिर्फ पीएम मोदी को एक खास तोहफा भेंट किया, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'पर्सनल' मैसेज भी दिया। भारत में नामित अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी मुलाकात को शानदार बताया और कहा कि अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। पीएम मोदी ने भी सर्जियो गोर से मुलाकात पर खुशी जाहिर की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। मुझे विश्वास है कि उनका कार्यकाल भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा। मोदी के साथ अपनी बैठक के बाद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, हमने रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी समेत द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। हमने महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व पर भी चर्चा की। गोर ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को अपना महान और व्यक्तिगत मित्र मानते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अगस्त में राष्ट्रपति के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगले अमेरिकी राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में नामित किया था। ट्रंप ने गोर को एक 'महान मित्र' बताया और कहा कि वह कई वर्षों से उनके साथ हैं।

### बिहार विधानसभा चुनाव: बीजेपी ने अपने संभावित उम्मीदवारों के नाम तय किये

# बिहार के लिए एनडीए का 'दिल्ली मंथन' खत्म, आज हो सकती है सीटों की घोषणा

पटना, एजेंसी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर चिराग पासवान की मांग, उपेंद्र कुशवाहा की नाराजगी और जीतन राम मांझी के कड़े रुख के बावजूद आज को नई दिल्ली में घटक दलों के बीच सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा होने की संभावना है। इस घोषणा से पहले, शनिवार देर शाम जनता से दल यूनाइटेड के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह दिल्ली के लिए रवाना हुए। एनडीए के अन्य प्रमुख नेता–लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के सुप्रीमो जीतन राम मांझी, और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा पहले से ही दिल्ली में मौजूद हैं।

### फॉर्मूला जल्द सार्वजनिक होगा

जनता दल यूनाइटेड के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने दिल्ली रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विपक्ष को पता है कि चुनाव का परिणाम क्या होने वाला है और जनता पूरी तरह से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि एनडीए के भीतर सीट बंटवारे का फॉर्मूला बहुत जल्द सार्वजनिक कर दिया जाएगा। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की सात घंटे लंबी बैठक चली। माना जा रहा है कि इस मैराथन बैठक में एनडीए सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर अंतिम सहमति बन चुकी है और बीजेपी ने अपने संभावित उम्मीदवारों के नाम भी तय कर लिए हैं। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, धर्मेंद्र प्रधान, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित कई शीर्ष नेता शामिल थे।

### प्रशांत किशोर ने तेजस्वी के गढ़ से फूंका बिगुल

एक तरफ सत्तारूढ़ एनडीए और महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है, वहीं जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव के गढ़ राघोपुर से अपनी चुनावी मुहिम शुरू कर सियासी माहौल को और गर्म कर दिया है। उन्होंने राघोपुर से अपनी चुनावी मुहिम शुरू की, जो तेजस्वी यादव का गढ़ माना जाता है। किशोर ने अपनी पार्टी के 51 उम्मीदवारों की सूची पहले ही जारी कर दी है, जिसे लेकर उन्होंने गर्व से कहा, केवल जन सुराज ने अब तक अपनी लिस्ट जारी की है।

### उपेंद्र कुशवाहा नड्डा से मिले

इस बीच, चिराग पासवान की संभावित नाराज़गी दूर होने के बाद, उपेंद्र कुशवाहा ने एक बयान से गठबंधन का जायका बिगाड़ दिया। उन्होंने सोशल मीडिया (एक्स) पर लिखा कि सीट बंटवारे को लेकर चल रही खबरें गलत हैं और बातचीत अभी अधूरी है, लोगों को इंतजार करना चाहिए। बाद में, दिल्ली पहुंचकर कुशवाहा ने जेपी नड्डा के आवास पर डेढ़ घंटे तक लंबी मुलाकात की, जहाँ बीजेपी नेताओं ने उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश की। कुशवाहा की नाराजगी इस बात पर है कि मीडिया में उन्हें पाँच से छह सीटों पर राजी होने की खबरें चल रही हैं, जबकि उनकी मांग 15 से 20 सीटों की है।

### मांझी ने रखी 15 सीटों की मांग

इसी तरह, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने भी जेपी नड्डा से मुलाकात की। मांझी ने भी अपनी पार्टी के लिए 15 सीटों की मांग रखी है। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि बड़ी सहमति हो चुकी है, लेकिन कई पार्टियों का गठबंधन होने के कारण विचार-विमर्श लंबा होना स्वाभाविक है। उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही सब तय हो जाएगा और एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में बहुमत से सरकार बनाने के लिए एक मजबूत समझौता करेगा।

### थर्ड फ्रंट की कोशिश में ओवैसी, 100 सीटों पर उतरने की तैयारी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन से इतर एक तीसरे मोर्चे की पहल ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की ओर से की जा रही है, जिसकी कमान पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने खुद संभाली है। हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने हाल के दिनों में सीमांचल का व्यापक दौरा किया है, जिसे पार्टी का पारंपरिक गढ़ माना जाता है। उन्होंने वहां कई जनसभाएं कीं और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उनसे नए राजनीतिक समीकरण पर बात की। बताया जा रहा है कि एलायंस नहीं होने की स्थिति में 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी ओवैसी की पार्टी कर रही है। किशनगंज में पत्रकारों से बातचीत में ओवैसी ने कहा था, मैं बिहार में कई साथियों से मिलने और नई मित्रता करने के लिए उत्सुक हूं। राज्य की जनता को एक नया विकल्प चाहिए और हम वही बनने की कोशिश कर रहे हैं। सीमांचल, बिहार के पूर्वोत्तर हिस्से को कहा जाता है। इसमें चार जिले कटिहार, किशनगंज, अररिया और पूर्णिया शामिल है। ये क्षेत्र मुस्लिम बहुल आबादी, गरीबी और विकास की कमी जैसे मुद्दों के कारण लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। एआईएमआईएम ने 2015 में पहली बार बिहार विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाई थी। पार्टी ने सीमांचल की छह सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली। हालांकि, किशनगंज के कोचाधामन विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार और मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान को करीब 37 हजार वोट मिले थे।

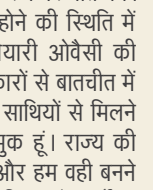

# बीएसएफ का नया प्लान तैयार: सर्दियों में कोहरे का फायदा उठाकर भारत में नहीं घुस पाएंगे आतंकी

श्रीनगर, एजेंसी

सर्दियों में कोहरा बड़ी चुनौती होगी, इसलिए जवान फुल अलर्ट पर हैं और सीमाई सतर्कता बढ़ाई जा रही है। बीएसएफ अपनी सहयोगी एजेंसियों के साथ खुफिया जानकारी साझा कर सीमापार से होने वाले प्रयासों को विफल कर रही रहा है। आनंद ने चेतावनी दी कि घुसपैठ की कोई भी कोशिश सफल नहीं होने दी जाएगी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा है कि वह कोहरे की आड़ में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी समूहों द्वारा जम्मू सेक्टर में घुसपैठ के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए पूरी तरह तैयार है। जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक शशांक आनंद ने बताया कि मई में ऑपरेशन सिंदूर में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद ने भारी नुकसान झेला था लेकिन अब वे पुनर्गठित हो रहे हैं।

आनंद ने चेतावनी दी, पाकिस्तान के साथ युद्धविराम समझौता लागू है, अगर आतंकियों की घुसपैठ कराने की कोशिश की जाती है, तो हम चुप नहीं रहेंगे। सरकार ने हमें गोली

का जवाब गोले से देने की पूरी छूट दी है और हमारे जवान इस बात से वाकिफ हैं। आईजी शशांक आनंद ने बताया कि बीएसएफ ने रक्षा और अर्धसैनिक बलों में आधुनिक तकनीक को अपनाने की प्रक्रिया को तेज की है। ग्वालियर स्थित बीएसएफ अकादमी में ड्रोन युद्ध के लिए एक स्कूल का उद्घाटन किया गया है। इसके साथ ही, बीएसएफ बटालियनों को ड्रोन स्क्वाड्रन और ड्रोन कमांडो के साथ प्रशिक्षित किया जा रहा है। हम दुश्मन को ऐसी तकनीक से नुकसान पहुंचाने में सक्षम होंगे, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के बाद से पड़ोसी देश नुकसान की भरपाई की कोशिश में लगा है, लेकिन हम उनकी हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। हाल ही में तूफानों के कारण भी उन्हें नुकसान हुआ है, और बीएसएफ सीमा पार उनकी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ किसी भी उभरती प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए तैयार है। ड्रोन, जो लंबे समय से बीएसएफ का हिस्सा हैं, अब 21वीं सदी के युद्ध में अगले स्तर पर उपयोग के लिए तैयार किए जा रहे हैं। ग्वालियर में स्थापित ड्रोन युद्ध विद्यालय बीएसएफ कर्मियों और अधिकारियों को आधुनिक तकनीक से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

### डीपफेक के लिए विशेष कानून की जरूरत

# सीजेआई बोले-डिजिटल तकनीक शोषण का नहीं, मुक्ति का साधन बननी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि डिजिटल युग में लड़कियां ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, डिजिटल

स्टॉकिंग, निजी डेटा के दुरुपयोग और डीपफेक जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। उन्होंने इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए विशेष कानून बनाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों और नीति निर्धारकों को प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक शोषण का नहीं, बल्कि मुक्ति का साधन बननी चाहिए। लड़कियों की सुरक्षा का अर्थ है उनके भविष्य को कक्षा, कार्यस्थल और हर स्क्रीन पर सुरक्षित करना। जुवेनाइल जस्टिस कमेटी और यूनिसेफ इंडिया के कार्यक्रम में सीजेआइ ने कहा, संवैधानिक और कानूनी गारंटी के बावजूद देशभर में कई लड़कियों को अब भी उनके मौलिक अधिकारों और जीवन की मूल आवश्यकताओं से वंचित रखा जा रहा है। उनकी सुरक्षा केवल उसके शरीर की रक्षा नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को मुक्त करने जैसा है। हमें ऐसा समाज बनाना होगा जहां वह सम्मानपूर्वक जी सके, शिक्षा और समानता से अपने सपनों को पंख दे सके। उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर की कविता का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक देश की कोई भी लड़की भय, हिंसा या भेदभाव में जी रही है, तब तक टैगोर का स्वतंत्रता का स्वर्ग अधूरा है।

# बाबा और उसके सहयोगी ने नाबालिक से आश्रम में किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा में पुलिस ने एक 78 वर्षीय स्वयंभू बाबा और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने का आरोप लगा है। आरोपियों की पहचान अजय सामंतराय और उसके सहयोगी सुकांत बिस्वाल के रूप में हुई है। सामंतराय देउलियापटना गांव में भाई-भाई मठ चलाते हैं। सामूहिक दुष्कर्म का मामला तब उजागर हुआ, जब पीड़िता के एक रिश्तेदार सूरज राउत और अपने दोस्त के साथ मिलकर 5 अक्टूबर को लड़की के साथ हुई घिनौनी करतूत का बदला लेने के लिए आश्रम के दो सदस्यों पर गोलियां चला दीं। उन्होंने अगस्त में भी दो बार मठ में सामंतराय पर हमला करने की कोशिशें की थीं, लेकिन असफल रहे। जांच से यह भी पता चला कि महिलाओं सहित कई भक्त धार्मिक उद्देश्यों और बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और सौभाग्य के लिए आशीर्वाद लेने के लिए मठ में ठहरते हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या स्वयंभू बाबा ने अन्य महिलाओं और नाबालिग लड़कियों का भी यौन उत्पीड़न किया है। उन्होंने मठ को भी सील कर दिया है।

## हरियाणा में रोड रोलर से टकराई कार, 4 की मौत

**चंडीगढ़।** जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे पर मध्यरात्रि एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की जान चली गई। हादसा गोहाना क्षेत्र के रूखी टोल टैक्स के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार कार रात के समय कम विजिबिलिटी के कारण सड़क निर्माण में लगे रोड रोलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माणाधीन सड़क पर रात में उचित संकेतक या बैरिकेडिंग की कमी थी, जिससे हादसा हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

## कनाडा की विदेश मंत्री आ रहीं भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

खालिस्तानी समर्थक की हत्या के बाद कनाडा और भारत के संबंधों में तनातनी देखनी को मिली, लेकिन अब दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद रविवार देर रात दिल्ली पहुंचेंगी। वह दो दिन की भारत यात्रा पर होंगी। इस दौरान वह अपने समकक्ष भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेंगी। इसी बीच नव नियुक्त अमेरिकी राजदूत और ट्रंप के खासमखास सर्जियो गोर भी सात दिन के भारत दौरे पर हैं। दोनों देश व्यापार, ऊर्जा और

सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग के लिए एक ढांचा तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह यात्रा भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयासों को बढ़ावा देगी। यह संबंध खालिस्तान समर्थक की हत्या को लेकर हुए विवाद के बाद कमजोर हो गए थे। दरअसल, भारत और कनाडा व्यापार विविधीकरण, ऊर्जा परिवर्तन और सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों पर रणनीतिक सहयोग की रूपरेखा स्थापित करने की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं। ऐसे में यह यात्रा कार्नी सरकार द्वारा भारत के साथ संबंधों को बहाल करने के प्रयासों के बीच हो रही है।

## कल इजरायल से 200 के बदले हमास करेगा 20 बंधक रिहा

नई दिल्ली, एजेंसी

इज़रायल और हमास के बीच चल रहा युद्ध अब खत्म हो गया है। 2 साल के बाद अब गाज़ा में युद्धविराम हो गया है। हमास की तरफ से सभी 20 जीवित बंधकों को रिहा किया जाएगा और इज़रायल की तरफ से करीब 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों को आज़ाद किया जाएगा। हमास ने जानकारी दी है कि सोमवार सुबह से बंधकों की रिहाई शुरू की जाएगी, जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। अमेरिका और अन्य मध्यस्थों की कोशिशों का सकारात्मक असर देखने को मिला है। इज़रायल की तरफ से अब और हमले नहीं किए जाएंगे। दोनों पक्षों ने शांति की स्थापना के पहले चरण के लिए सहमति जता दी है। गाज़ा में शांति की स्थापना के लिए हमास और इज़रायल में बंधकों और कैदियों की रिहाई पर सहमति बन गई है।

### मेट्रो एंकर

### पहली बार लक्ष्मण किला घाट को दीपोत्सव में शामिल करने की तैयारी

# दीपावली पर सजेगी रामनगरी, 56 घाटों पर जगमगाएंगे 28 लाख दीप, अयोध्या में दर्ज होगा नया विश्व रिकॉर्ड

अयोध्या,एजेंसी

रामनगरी अयोध्या इस वर्ष एक बार फिर विश्व मंच पर अपनी आस्था, संस्कृति और गौरव का प्रकाश फैलाने जा रही है। योगी इस बार नौवां दीपोत्सव 2025 अब तक का सबसे भव्य और ऐतिहासिक आयोजन बनने जा रहा है। सरयू तट के 56 घाटों पर लगभग 26 लाख दीपों के प्रज्वलन के लिए 28 लाख दिए बिछाए जाएंगे, जो एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करेगा। इस वर्ष आयोजन की विशेषता यह है कि पहली बार लक्ष्मण किला घाट को दीपोत्सव में शामिल किया गया है।

कहा गया है कि यह दीपोत्सव केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिकता और विश्वबंधुत्व का सशक्त प्रतीक है।न केवल अयोध्या के विकास और राम मंदिर निर्माण के विज़न को आगे बढ़ाएगा बल्कि उत्तर प्रदेश को धार्मिक पर्यटन के वैश्विक

केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालु और देश-विदेश से आए पर्यटक रामनगरी की इस दिव्य आभा के साक्षी बनेंगे। लक्ष्मण किला घाट पर पहली बार सवा चार लाख दीप प्रज्वलित होंगे। राम की पैड़ी और चौधरी चरण सिंह घाट पर करीब साढ़े चार लाख दीप जलाए जाएंगे। भजन संध्या घाट पर साढ़े पांच लाख दीपों की रौशनी से सरयू तट अलौकिक चमक में नहाएगा। मुख्य आकर्षण राम की पैड़ी रहेगी, जहां 15 से 16 लाख दीपों की अविरल ज्योति से पूरा घाट जगमगा उठेगा।

### युद्ध स्तर पर जुटी टीमें

बीते वर्षों में अयोध्या का दीपोत्सव गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है। इस बार लक्ष्य है उस रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाना 28 लाख दीपों का नया विश्व कीर्तिमान स्थापित करने का। इसके लिए सरकार, प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं की टीमें युद्धस्तर पर तैयारियों में जुटी हैं। दीपों की सजावट, सुरक्षा व्यवस्था, सांस्कृतिक मंचन, और पर्यटकों के स्वागत की रूपरेखा बारीकी से तैयार की जा रही है। नौवां दीपोत्सव अयोध्या में आयोजित होगा। 33 लाख दीपों की कुल व्यवस्था। 75 हजार लीटर तेल की जरूरत होगी। 55 लाख रुई बत्तियाँ तैयार की जा रही हैं। 30 हजार स्वयंसेवकों को टोपी व टीशर्ट वितरित होंगी। 28 लाख दीप बिछाकर नया विश्व रिकॉर्ड रचा जाएगा। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र के निर्देशन में 22 समितियां गठित की हैं, जो प्रत्येक पहलू की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564